News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-170
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

बिखरना विनाश का पथ है
तो सिमटना निर्माण का..

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 25 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

एशिया पावर इंडेक्स ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट ने जारी की एशिया पावर इंडेक्स की रैंकिंग, भारत ने जापान और रूस को पछाड़ा

भारत अब तीसरी 'महाशक्ति'

मेलबर्न। भारत ने अपनी शक्ति का ऐसा परचम लहराया है कि पूरी दुनिया इसका लोहा मानने पर मजबूर हो गई है। ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट द्वारा जारी की गई एशिया पावर इंडेक्स की रैंकिंग में भारत ने दुनिया के कई ताकतवर देशों को पछाड़ते हुए शीर्ष तीन में अपनी जगह बना ली है। अमेरिका और चीन के बाद भारत अब तीसरी सबसे बड़ी महाशक्तिके रूप में उभरकर सामने आया है। भारत ने रूस और जापान जैसी महाशक्तियों को भी पीछे छोड़ दिया है। इस रैंकिंग में 39.1 के स्कोर के साथ भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को और मजबूत किया है, जबकि जापान 38.9 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया है। वहीं पाकिस्तान की हालत इस रैंकिंग में और भी खराब नजर आ रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की एशिया में ताकत बढ़ रही है। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने ताकत के मामले में तीसरा स्थान हासिल किया है। हालांकि उभरते हुए भारत से जितनी अपेक्षा है और वास्तविकता में काफी खाई बनी हुई है। हालांकि भारत के पास बहुत ही ज्यादा संसाधन है और एक बड़ी ताकत के रूप में विकास की भरपूर क्षमता है। भारत की बात करें तो सैन्मय ताकत में चौथा, सांस्कृतिक प्रभाव में चौथा, आर्थिक क्षमता में चौथा, भविष्य के संसाधनों में तीसरा तथा कूटनीतिक प्रभाव में चौथा स्थान मिला। भारत की कुल रैंकिंग अब एशिया में तीसरी हो गई है। पिछले साल भारत को चौथे नंबर पर रखा गया था।

भारत की बढ़ती शक्ति का आधार विशाल जनसंख्या

ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक की मानें तो भारत की बढ़ती शक्ति का मुख्य आधार इसकी विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था है। रिपोर्ट में भारत की आर्थिक क्षमता में 4.2 अंकों की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही, भविष्य के संसाधनों के संदर्भ में भारत का स्कोर 8.2 अंकों से बढ़ा है। इसका मतलब है कि भारत की युवा जनसंख्या आने वाले दशकों में एक जनसांख्यिकीय लाभ प्रदान कर सकती है, जो उसे आर्थिक और सामरिक दृष्टि से और भी मजबूत बनाएगा।

समय के साथ भविष्य को आकार दे सकेगा भारत

लोवी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट एशिया में शक्ति की उभरती रूपरेखा को उजागर करती है। रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका और चीन प्रमुख ताकतें बनी हुई हैं, लेकिन भारत एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर चुका है। जैसे-जैसे समय बीतेगा, भारत की आर्थिक कौशल, सैन्य शक्ति और कूटनीतिक रणनीतियों का परस्पर प्रभाव क्षेत्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की स्थिति इस रैंकिंग में डांवाडोल है। लिस्ट में पाकिस्तान का नंबर 14.4 और पड़ोसी देश 16वें स्थान पर है।

वैश्विक भू-राजनीति में नई दिशा

इस रिपोर्ट के परिणामस्वरूप, भारत की शक्ति को वैश्विक भू-राजनीति में एक नई दिशा में ले जाने की संभावनाएं बन रही हैं। जैसे-जैसे भारत अपने संसाधनों का सही उपयोग करेगा और अपनी कूटनीतिक क्षमताओं को बढ़ाएगा, वह एशिया में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरता जाएगा। यह परिवर्तन न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी एशियाई क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि शक्ति संतुलन में बदलाव वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक स्थिरता और सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है।

27 देशों और क्षेत्रों का आकलन किया गया

एशिया पावर इंडेक्स में कुल 27 देशों और क्षेत्रों का आकलन किया गया। इसमें देखा गया कि इन देशों के पास क्या है और उसके साथ वे क्या कर रहे हैं। इसमें पाकिस्तान से लेकर रूस तक, वहीं प्रशांत क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका को भी इसमें शामिल किया गया है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह कहा

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एशिया पावर इंडेक्स में भारत की बढ़त का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और वैश्विक रणनीति को दिया है।

चीन की शक्ति हो गई स्थिर

लोवी की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि एशिया में शक्ति का संतुलन अभी भी अमेरिका और चीन के हाथ में है लेकिन भारत की उभरती धमक इस स्थिति को बदल सकती है। वहीं चीन की आर्थिक और सैन्य वृद्धि लगातार जारी है, लेकिन उसकी शक्तिस्थिर हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन की शक्ति न तो बढ़ रही है और न ही घट रही है, बल्कि वह एक स्थिर अवस्था में है। वहीं अमेरिका अब भी छह में से आठ शक्तियों के मानकों में सबसे आगे बना हुआ है। इसके साथ ही भारत की स्थिति में सुधार देखा जा रहा है और उसने जापान और रूस को पीछे छोड़ते हुए एशिया में तीसरे स्थान पर अपनी जगह बनाई है।

चीन के कारण पिछड़ रहा अमेरिका

एशिया पावर इंडेक्स रिपोर्ट में 6 साल के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। यह एशिया में तेजी से बदल रहे शक्ति के वितरण का अब तक का सबसे व्यापक आकलन है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे प्रभावशाली ताकत है लेकिन अब उसे चीन की ओर से तेजी से बढ़ती सेना का दबाव झेलना पड़ रहा है। अमेरिका के लिए चिंता की बात यह है कि वह सैन्य ताकत के मामले में चीन के हाथों पिछड़ रहा है। इस सर्वे रिपोर्ट में भारत की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का उभार हो रहा है लेकिन यह थोड़ा धीमा है। भारत अब जापान को पीछे करके एशिया में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बन गया है लेकिन उसका प्रभाव उसके संसाधनों के मुकाबले में कम बना हुआ है।

मप्र के पैरालंपिक पदक विजेताओं को मिलेंगे एक-एक करोड़

सीएम मोहन यादव ने नौकरी देने का भी किया ऐलान

भोपाल। पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने वाले मध्यप्रदेश के कपिल परमार और रुबीना फ्रांसिस को सरकार 1-1 करोड़ रुपए देगी। उन्हें नौकरी भी मिलेगी। इसी के साथ पैरालंपिक में भाग लेने वाली प्राची यादव और पूजा ओझा को भी सरकार इनाम देगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इसका ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में पेरिस पैरालिंपिक विजेता खिलाड़ियों प्राची यादव, कपिल परमार और पूजा ओझा को सम्मानित किया। कार्यक्रम में रुबीना फ्रांसिस को भी बुलाया गया था, लेकिन वे नहीं आ सकीं। सीएम ने कहा कि आपने प्रदेश और देश का नाम बढ़ाया। खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना हम सबके लिए गर्व की बात है।

बता दें कि इस बार पैरालंपिक में भारत ने अपना अभियान 29 मेडल के साथ खत्म किया है। इसमें दो पदक मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने दिलाए हैं। जबलपुर की रुबीना फ्रांसिस ने 10 मीटर एयर पिस्टल की एसएच-1 कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। वहीं, सीहोर के कपिल परमार ने जूडो की मेंस जे-1 कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा है।

एडीजी इंटेलिजेंस जयदीप प्रसाद डीजी लोकायुक्त बने

जयदीप प्रसाद | संजय कुमार अग्रवाल | योगेश चौधरी

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन ने 15 आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। एडीजी इंटेलिजेंस जयदीप प्रसाद को लोकायुक्तसंगठन में प्रभारी पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। वहीं एडीजी इंटेलिजेंस पद पर अभी किसी को पदस्थ नहीं किया है। लोकायुक्त डीजी योगेश चौधरी की सेवाएं सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेकर उन्हें एडीजी प्रबंध पीएचक्यू पदस्थ किया है। यह पद आलोक रंजन के डीजी एनसीआरबी पद पर पदस्थ किए जाने के बाद से खाली था। रंजन स्पेशल डीजी प्रबंध थे। इसी आदेश में डीजीपी सुधीर सक्सेना की बेटी और 2020 बैच की आईपीएस सोनाक्षी सक्सेना को डीसीपी (इंटेलिजेंस और सुरक्षा) भोपाल पदस्थ किया गया है। उज्जैन के सहायक पुलिस अधीक्षक राहुल देशमुख को उज्जैन का नया एसडीओपी बनाया गया है। ग्वालियर के अतिरिक्तपुलिस अधीक्षक शियाज के एम को हॉकफोर्स सैनानी बालाघाट में पदस्थ किया गया है। आनंद कलादगी को एसडीओपी बैरसिया की जगह जबलपुर का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। कृष्ण लालचंदानी को ग्वालियर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की कमान सौंपी गई है। रीवा के सहायक पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश को रीवा का नया एसडीओपी बनाया गया है।

चर्बी विवाद के बाद भी पहले जैसी रही तिरुपति बालाजी के लड्डुओं की सेल

हैदराबाद। इन दिनों तिरुपति के लड्डुओं की मिलावट पर विवाद जारी है। खास तरीके से तैयार किए जाने वाले इन लड्डुओं में चर्बी की शिकायत पाई गई है। इसके बावजूद लड्डुओं की बिक्री में कमी नहीं आई है। आंध्रप्रदेश के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में 60 हजार श्रद्धालु हर रोज पहुंचते हैं। मंदिर प्रशासन के मुताबिक पिछले चार दिनों में 14 लाख तिरुपति लड्डू बेचे गए हैं। इसमें 19 सितंबर को 3.59 लाख, 20 सितंबर को 3.17 लाख, 21 सितंबर को 3.67 लाख और 22 सितंबर को 3.60 लाख लड्डू बेचे गए हैं। बिक्री के आंकड़ों का औसत प्रतिदिन 3.50 लाख लड्डुओं का है। अगर तिरुपति लड्डुओं की इन्ग्रेडिएंट्स की बात करें तो इसमें चना, गाय का घी, चीनी, काजू, किशमिश और बादाम डाला जाता है। हर रोज करीब 15000 किलो घी लड्डुओं को तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

एक्स पर आपने जिन्हें किया है ब्लॉक वो भी अब देख सकेंगे आपकी पोस्ट

नई दिल्ली। एलन मस्क अपने अजीबोगरीब फैसले के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने एक बार फिर से एक ऐसा फैसला लिया है कि लोग हैरान हैं। एलन मस्क ने कहा है कि जिन लोगों को आपने एक्स पर ब्लॉक किया है वे भी आपकी पोस्ट देख सकेंगे। अब सवाल यह उठता है कि यदि ऐसा है तो फिर किसी को ब्लॉक करने का फायदा ही क्या है। फिलहाल यदि आप एक्स पर जिन लोगों को ब्लॉक करते हैं तो वे आपकी प्रोफाइल भी नहीं देख सकते हैं, लेकिन नए अपडेट के बाद ऐसा नहीं होगा। किसी को ब्लॉक करने का मतलब यह होता है कि वह आपकी प्रोफाइल, मैसेज, मीडिया, रिप्लाई, पोस्ट और फॉलोअर्स आदि को नहीं देख सकता। एलन मस्क का मानना है कि लोग दूसरा अकाउंट बनाकर लोगों की प्रोफाइल देख रहे हैं तो फिर क्यों न एक फीचर ही दे दिया जाए। फिलहाल इस अपडेट को रिलीज नहीं किया गया है लेकिन जल्द ही आप उन लोगों की प्रोफाइल देख सकेंगे जिन्होंने आपको ब्लॉक किया है।

अध्यात्म से जुड़ा विज्ञान- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुई भारतीय योग की एक अवस्था पर स्टडी

आईआईटी और एम्स का शोध- मिनैटों की योग निद्रा घंटों की नींद के बराबर

नई दिल्ली। दिल्ली के आईआईटी और एम्स की एक रिपोर्ट ने एमआरआई के जरिए 'योग निद्रा' के फायदे दिखाए हैं। योग निद्रा, यानी होश में सोने की प्रक्रिया, दशकों से दुनियाभर में अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य लाभ के लिए जानी जाती है। पहली बार, भारतीय रिसर्चर्स ने इस प्राचीन अभ्यास को करने वालों का ब्रेन स्कैन किया। एमआरआई के जरिये एक ऐसा ब्रेन स्कैन किया जो ब्लड सर्कुलेशन में बदलावों को ट्रैक करके ब्रेन की गतिविधि को मापता है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की गई कि यह कैसे काम करता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित स्टडी के अनुसार, आईआईटी दिल्ली, एम्स दिल्ली, महाजन इमेजिंग और अन्य संस्थानों के शोधकर्ताओं ने पाया कि ध्यान करने वालों में योग निद्रा के दौरान एक तंत्रिका तंत्र सक्रिय होता है जो उन्हें अलग तरह का सुकून देता है। हमारे दिमाग का स्कैन करके पाया है कि योग निद्रा तकनीक हमारे दिमाग को बहुत शांत कर देती है। इस शोध में अनुसंधानकर्ताओं के एक दल ने ध्यान के अभ्यास में माहिर 30 प्रतिभागियों और 31 नौसिखियों के मस्तिष्क की फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एफएमआरआई) की।

ऐसे लोगों का दिमाग अलग तरह से करता है काम वैज्ञानिकों ने पाया है कि योग निद्रा करने वाले लोगों का दिमाग अलग तरह से काम करता है। जब हम सामान्य तौर पर सोचते हैं या कुछ नहीं सोचते हैं, तो हमारे दिमाग का एक हिस्सा बहुत सक्रिय होता है। लेकिन योग निद्रा करने वालों में यह हिस्सा कम

सक्रिय होता है। इससे उन्हें बहुत आराम मिलता है, लेकिन वे पूरी तरह जागते भी रहते हैं। महाजन इमेजिंग एंड लैब्स के चेयरमैन डॉ. हर्ष महाजन ने बताया कि इस स्टडी से पता चलता है कि योग निद्रा हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। यह एक बहुत पुरानी योग विधि है। स्टडी में यह भी पता चला है कि जो लोग योग निद्रा करते हैं, उनके दिमाग में एक खास तरह का तंत्रिका तंत्र सक्रिय होता है जो उन्हें शांति प्रदान करता है।

वर्तमान पल में अधिक जीने का संकेत दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज में कम्प्यूटर साइंस विभाग में सहायक प्रोफेसर सोनिका ठकराल ने कहा कि डिफॉल्ट मोड नेटवर्क आमतौर पर अतीत या भविष्य के बारे में सोचने, दूसरे लोगों के बारे में विचार करने, आत्मकथात्मक प्रक्रियाओं, दृश्य चित्रण और लक्ष्य निर्देशित अनुभूति से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि ध्यान के अभ्यास के दौरान स्वस्थ प्रतिभागियों में डिफॉल्ट मोड नेटवर्क की सक्रियता में गिरावट मन के भटकने या अतीत या भविष्य के बारे में सोचने की प्रक्रिया में कमी आने और वर्तमान पल में अधिक जीने का संकेत देता है।

योग निद्रा क्या है योग निद्रा एक प्राचीन योग विधि है, जिसमें आप जागते हुए एक गहरी आराम की अवस्था में प्रवेश करते हैं। इसे जागते हुए सोना भी कहा जाता है। इस अभ्यास में आप अपनी चेतना को शांत करते हैं और अपने शरीर को पूरी तरह से आराम देते हैं। तनाव, चिंता और अवसाद को कम करने में यह मदद करता है। यह नींद की गुणवत्ता में सुधार करके आपको अधिक ऊर्जावान महसूस कराता है।

जबलपुर से इंदौर की दूरी होगी कम, 5 घंटे में पहुंचेंगे

रेलवे शुरू कर रहा 9000 करोड़ का प्रोजेक्ट

इंदौर। जबलपुर और इंदौर के रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी है। इंदौर और जबलपुर के बीच जल्द ही नई रेल लाइन का काम शुरू होने जा रहा है। इसके लिए 1100 करोड़ रुपये की राशि भी प्रथम चरण के लिए आवंटित कर दी गई है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। इससे जबलपुर और इंदौर के बीच की दूरी 150 किलोमीटर तक कम हो जाएगी। जबलपुर से गाडरवारा, बुधनी होते हुए इंदौर तक नई रेल लाइन बिछाई जानी है। यह रेल लाइन परियोजना 342 किलोमीटर लंबी 9000 करोड़ रुपये की है। रेल लाइन का काम पूरा होने से यात्रियों का टाइम और रुपये दोनों बचेंगे। इतना ही नहीं, दोनों शहरों के बीच सफर करने में महज 5 से 6 घंटे का समय लगेगा। यह काम पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के द्वारा किया जाएगा. जिसका सर्वे भी पूरा हो चुका है। प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए रेलवे किसानों से जमीन भी अधिग्रहण कर रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे के सीपीआरओ हर्ष श्रीवास्तव का कहना है कि रेल लाइन पर भूमि अधिग्रहण का काम चल रहा है, लेकिन, भूमि के बदले नौकरी की कोई भी योजना नहीं है। किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। इस रेल लाइन के बन जाने से जबलपुर से गाडरवारा होते हुए बुधनी से सीधे इंदौर का सफर किया जा सकेगा। फिलहाल, अभी यात्रियों को जबलपुर से इंदौर जाने के लिए भोपाल और उज्जैन के रास्ते जाना पड़ता है, जिसमें समय भी काफी लगता है। नई रेल लाइन बन जाने के बाद गाडरवारा से बुधनी और बुधनी से सीधे इंदौर का सफर किया जा सकेगा। इससे इंदौर की दूरी लगभग 150 किलोमीटर कम हो जाएगी।

दिनभर धूप के बाद रात में हुई बारिश

इंदौर। इंदौर में मंगलवार को जमकर बारिश हुई। तीन दिन से पड़ रही गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली। रात 8.30 बजे बारिश शुरू हुई जो आधे घंटे तक चलती रही। विजय नगर, पलासिया और अन्य कई क्षेत्रों में सड़कों पर पानी बह निकला। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया बना है, जो मंगलवार से सक्रिय हुआ है। अगले 3 से 4 दिन भी इसी तरह पूरे मप्र में बारिश होती रहेगी। मंगलवार दोपहर को कुछ स्थानों पर बारिश हुई तो कहीं नहीं हुई। अगले 24 घंटे में इंदौर-धार समेत 8 जिलों में तेज बारिश होने का अलर्ट है। इंदौर में सोमवार को दोपहर बाद बारिश का सिलसिला शुरू हुआ, जो रात 12 बजे बाद तक जारी रहा। इस दौरान 1.6 मिमी बारिश हुई। इसे मिलाकर अब तक कुल बारिश का आंकड़ा 31.6 इंच हो गया है। बारिश भले ही हो रही है, लेकिन गर्मी और उमस से लोग बेहाल हैं। हलके बादल, धूप से लोग दिनभर पसीना-पसीना हो रहे हैं। सोमवार को दिन का पारा 32.9 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक था। वहीं रविवार रात को न्यूनतम तापमान 23 डिग्री दर्ज किया, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा रहा। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया- बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव हो गया है। वहीं, दो-तीन सिस्टम और एक्टिव हो रहे हैं। इस वजह से प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में बारिश का दौर चलेगा।

नए सिस्टम से उम्मीदें मध्यप्रदेश में मानसून जून से सितंबर के बीच रहता है, लेकिन पिछले कुछ सालों में मानसून की विदाई अक्टूबर में हो रही है। ऐसे में अनुमान है कि इस बार भी मानसून अक्टूबर में ही विदा होगा। दूसरी ओर, अब नया सिस्टम एक्टिव हो गया है। ऐसे में एक बार फिर प्रदेश के कई जिले भीग जाएंगे। उम्मीद है कि इससे बारिश का कोटा पूरा हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव हो गया है। वहीं, दो-तीन सिस्टम और एक्टिव हो रहे हैं। इस वजह से प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में बारिश का दौर चलेगा।

मानसून के 6 दिन बाकी, अक्टूबर में विदाई मध्यप्रदेश में मानसून पीरियड जून से सितंबर के बीच रहता है, लेकिन पिछले कुछ सालों में मानसून की विदाई अक्टूबर में हो रही है। ऐसे में अनुमान है कि इस बार भी मानसून अक्टूबर में ही विदा होगा। दूसरी ओर, अब नया सिस्टम एक्टिव हो गया है। ऐसे में एक बार फिर प्रदेश के कई जिले भीग जाएंगे।

जीतू पटवारी समर्थक छात्र नेता पर मारपीट का केस, दो पक्षों में हुआ था विवाद

इंदौर। इंदौर के राजेन्द्र नगर में कांग्रेस नेता अमन पटवारी और उसके साथियों पर मारपीट का केस दर्ज किया है। घटना आईपीएस कॉलेज के सामने की है। दोनों पक्षों के बीच वर्चस्व की लड़ाई को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने दूसरे पक्ष की शिकायत पर भी क्रॉस एफआईआर दर्ज की है। अमन पटवारी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी समर्थक छात्र नेता बताया जा रहा है। राजेन्द्र पुलिस के मुताबिक विशेष पुत्र रजनेश पटवारी निवासी बिजलपुर की शिकायत पर पुलिस ने अमन पटवारी, पकंज चौधरी, रोहित हारोड़ निवासी माली चौकी बिजलपुर पर मारपीट का केस दर्ज किया है। विशेष पटवारी ने पुलिस को बताया कि वह आईपीएस कॉलेज में पढ़ाई करता है। उसके पास सोमवार को अमन पटवारी का कॉल आया और लोकेशन पूछी। अमन अपने साथियों के साथ आया और गालियां देकर मारपीट करने लगा। अमन ने पंकज की कार से डंडा निकाला और उससे पीटने लगा। तीनों जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। दूसरी ओर रोहित ने वीरेन्द्र रघुवंशी, विशेष पटवारी और उज्ज्वल पटेल पर मारपीट का केस दर्ज किया है। रोहित ने बताया कि वह आईपीएस कॉलेज में एडमिशन के लिये गया। वहां वीरेन्द्र रघुवंशी अमन पटवारी से मारपीट कर रहा था। वीरेन्द्र को दूर करने की कोशिश की। इस दौरान विशेष ने डंडे से मारपीट की। पंकज इस दौरान बचाव करने लगा तो विशेष ने उसे भी डंडे से मारा और धमकी देकर भाग गए। मौके पर मौजूद दूसरे छात्रों ने हमारा बचाव किया।

12वीं के स्टूडेंट ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, मोबाइल बरामद

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा इलाके में रहने वाले 12वीं के स्टूडेंट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह उसके दादा उठे तो फंदे पर लटके देखा। इसके बाद परिवार को सूचना दी। शव को एमवाय अस्पताल भेजा गया है। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक हर्षित पुत्र प्रदीप सोलंकी निवासी नंदबाग का शव उसके घर में मंगलवार सुबह फंदे पर लटके मिला। पिता प्रदीप अपने दोस्त पीयूष के साथ बेटे को लेकर एमवाय पहुंचे। पीयूष ने बताया कि हर्षित 12वीं क्लास का स्टूडेंट था। सुबह उसे दादा ने ही पास के कमरे में फंदे पर लटके देखा था। इसके बाद बेटे प्रदीप को आवाज देकर उठाया। पुलिस के मुताबिक हर्षित के पिता का टूर एंड ट्रेवल्स का व्यवसाय है। परिवार में उसकी एक छोटी बहन भी है। परिवार के मुताबिक हर्षित के कमरे से फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने हर्षित का मोबाइल बरामद कर लिया है। इसकी जांच के बाद आत्महत्या का कारण सामने आने की उम्मीद है।

पति और ससुर पर दहेज प्रताड़ना का केस

इंदौर। इंदौर के छत्रीपुरा में एक नव विवाहिता ने अपने पति और ससुर पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि पति-ससुर बड़ा घर लेना चाहते हैं। इसके लिए उसके पिता से पैसे की मांग कर रहे थे।छत्रीपुरा पुलिस के मुताबिक पीड़िता माधुरी की शिकायत पर पुलिस ने पति रुशांग पारेख और ससुर जयेश पारेख निवासी चकला, भरुच (गुजरात) पर 50 लाख दहेज मांगने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। माधुरी ने पुलिस को बताया कि 13 फरवरी 2024 को उसकी शादी हुई।दोनों 6 मार्च को गोवा से घूमकर लौटे। इसके बाद ससुराल भरुच में ससुर जयेश भाई ने इस दौरान कहा तुम्हारे माता-पिता ने दहेज भी नहीं दिया तुम्हें कुछ सिखाया भी नहीं। संस्कार भी नहीं दिए। पति रुशांग भी उनका साथ देते थे। कहते थे कि गुजरात का रिवाज ही ऐसा है।फिर पति और ससुर छोटी-छोटी बात पर प्रताड़ित करने लगे। कुछ दिन बाद कहा कि सूरत या बड़ौदा में नया मकान खरीदना है अपने पिता से 50 लाख रुपए लेकर आओ। वरना ससुराल मत लौटना। इसके बाद इंदौर भेज दिया। इसके बाद ना ही कॉल किया और ना ही लेने आए। कुछ दिन बाद पापा के मोबाइल पर ससुर जयेश पारेख का कॉल आया कि रुपए की व्यवस्था हो जाए तो माधुरी को भेज देना नहीं तो तलाक के पेपर तैयार रखना। ससुर और पति ने दहेज का पूरा सामान भी अपने पास रख लिया है। जो वह वापस नहीं कर रहे। पुलिस अब इस मामले में कार्रवाई कर रही है।

राऊ विधायक मधु वर्मा को आया हार्टअटैक, अस्पताल में भर्ती

इंदौर की राऊ विधानसभा सीट से भाजपा विधायक मधु वर्मा को दिल का दौरा पड़ा है। जिस समय अटैक आया, वे घर पर थे। इसके बाद वे बेहोश हो गए। परिजन उन्हें रिंगरोड स्थित निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। डॉक्टरों का कहना है कि शुगर लेवल कम होने से वे बेहोश हो गए थे। उनकी हालत नाजुक है और अगले 48 घंटों तक वे डाक्टरों की निगरानी में रहेंगे। अस्पताल में डाक्टरों ने सीपीआर देकर उनकी जान बचाई। 72 वर्षीय विधायक मधु वर्मा ने सुबह घर पर नाश्ता किया और दवाई खाई थी।समस्या लेकर आने वाले लोगों से मुलाकात कर रहे थे। अचानक वे बेहोश हो गए। वर्मा के सहयोगी उस समय घर पर ही थे और वे कार से उन्हें अस्पताल ले गए। आईसीयू में भर्ती कराया। भाई बलराम वर्मा ने कहा कि मधु वर्मा को अटैक आया है। अस्पताल में इलाज जारी है और उनकी हालत पहले से काफी बेहतर है। अस्पताल में वर्मा का हाल चाल जानने मेयर पुष्य मित्र भार्गव, कलेक्टर आशीष सिंह, विधायक महेंद्र हार्डिया भी पहुंच गए थे। 2023 के चुनावों में मधु वर्मा को 1,51,672 वोट मिले थे। जीतू पटवारी 1,16,150 को वोट मिले। राऊ में जीतू पटवारी 35,522 वोटों से हारे थे। इससे पहले 2018 में भी मधु वर्मा और जीतू पटवारी के बीच मुकाबला था। वर्मा को 1,02,037 वोट मिले थे। पटवारी ने 1,07,740 वोट हासिल किए और पांच हजार वोटों से जीत हासिल की थी। मधु वर्मा इससे पहले इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी रहे हैं।

नदी में डूबे छात्र का शव झाड़ियों में फंसा मिला

इंदौर। इंदौर के पास ओखलेश्वर हनुमान मंदिर में दर्शन करने गए 12वीं के एक छात्र की नजदीक की नदी में डूबकर मौत हो गई। बारिश के कारण आए तेज बहाव में वह खुद को संभाल नहीं पाया। हादसा सोमवार दोपहर का है। उसका शव मंगलवार सुबह झाड़ियों में मिला है। सिमरोल पुलिस के मुताबिक अजित पुत्र आशीष प्रजापत निवासी कुलकर्णी नगर दोस्तों के साथ ओखलेशर हनुमान मंदिर के दर्शन करने गया था। इस दौरान वह नहाने के लिए नदी में नहाने उतर गया। इस दौरान तेज बारिश होने से अचानक बहाव आया। अजित के चार दोस्त बहाव से बचकर बाहर की तरफ आ गए। लेकिन तेज पानी के साथ अजित खुद को संभाल नहीं पाया और तेज बहाव के साथ बह गया। दोपहर के बाद दोस्तों ने पुलिस और परिवार को सूचना दी। रात में पुलिस नदी के तेज बहाव के चलते सर्चिंग नहीं कर पाई। मंगलवार सुबह पुलिस ने तैराकों के साथ सर्चिंग की तो उसका शव झाड़ियों में फंसा मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिये एमवाय अस्पताल भेजा गया है। परिवार में अजित का एक भाई भी है।

पुलिस ने बताया कि अजित के दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव के कारण वह उसे बचा नहीं पाए। घटना के बाद पुलिस ने सर्चिंग शुरू की, लेकिन रात में बहाव के कारण सर्चिंग नहीं हो पाई। मंगलवार सुबह पुलिस ने तैराकों के साथ सर्चिंग की और अजित का शव बरामद किया। पुलिस ने अजित के परिवार को सूचना दे दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से अजित के परिवार में शोक की लहर फैल गई है। अजित के माता-पिता और भाई को इस घटना से गहरा धक्का लगा है। परिवार के लोगों ने अजित की मौत पर दुख व्यक्त किया है और पुलिस से जांच की मांग की है। पुलिस ने बताया कि अजित की मौत की जांच की जा रही है और घटना के कारणों का पता लगाया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे बारिश के मौसम में नदी और तालाबों से दूर रहें और सुरक्षित स्थानों पर ही नहाएं।

सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे हमेशा चालू हालत में हो

इंदौर। हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने डीजीपी को आदेश दिए हैं कि सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे हमेशा चालू हालत में मिलने चाहिए। थानों में आम लोगों से होने वाले अत्याचारों पर इससे कमी आएगी। कोई व्यक्ति थाने जाता है उससे खराब व्यवहार होता है तो कैमरा इसका प्रमाण दे सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि किसी घटना में थाने के फुटेज मांगे जाने पर नहीं मिलते हैं, इसे थाना प्रभारी या अन्य प्रभारी अधिकारी की लापरवाही मानी जाएगी। कोर्ट ने डीजीपी को इसके पालना के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने निर्मल नामक युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। इसमें थाने में प्रताड़ना का आरोप लगाया। कोर्ट ने उसे जमानत दे दी, पर थाने में अत्याचार के संबंध में जो आरोप लगाए थे, उस पर सुनवाई की थी। निर्मल ने जमानत के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में उसने पुलिस द्वारा थाने में प्रताड़ित करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे। हाई कोर्ट ने उसे जमानत तो दे दी, लेकिन थाने में अत्याचार के संबंध में जो आरोप लगाए थे उस पर अलग से सुनवाई की थी। थाने में रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं था। पुलिस रेडियो के वरिष्ठ अधीक्षक विजय खत्री ने कोर्ट में वर्चुअल उपस्थित होकर पुलिस थानों में सीसीटीवी को लेकर जारी की गई एसओपी के बारे में बताया था। कोर्ट ने पूछा कि थानों में कैमरे काम कर रहे हैं या नहीं, इसकी जिम्मेदारी सुनिश्चित करने वाला कौन व्यक्ति हैं। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि प्रदेश के प्रमुख शहरों के मुख्य पुलिस थानों में पुलिसकर्मियों को बॉडी कैमरा दिए जाना चाहिए। इस दिशा में सरकार को सोचना चाहिए।

शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा देने के नाम पर व्यापारी से 29.60 लाख की ठगी

इंदौर। इंदौर के एक व्यापारी के साथ शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा देने के नाम पर ठगी हो गई। शिकायतकर्ता ने शेयर मार्केट की एडवाइजरी कंपनी को जून से अब तक 29 लाख 60 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद कंपनी ने उनके अकाउंट में काफी प्रॉफिट दिखाया। शिकायतकर्ता ने जब पैसे निकालना चाहे, तो पैसे उनके खाते में नहीं आए। पीड़ित व्यापारी ने पूरे मामले की शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर कर दी। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच ने धनंजय कुमार तिवारी, निवासी श्रीजी वैली, बिचौली मदार्ना की शिकायत पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन ट्रेडिंग करने के लिए कॉल आया। लजार्ड फंड, मुंबई के नाम से प्राइमरी अकाउंट खुलवा कर एप्लिकेशन डाउनलोड कराई गई। शुरूआत में 4 लाख रुपए लिए। धनंजय ने बताया कि 8 जून 2024 को तीन अलग-अलग नंबरों से वॉट्सऐप कॉल आए। उन्होंने शेयर मार्केट में निवेश करने के लिए कहा। आरबीआई का एक लेटर भी भेजा। जिसमें यह बताया गया कि पूरा काम सही तरीके से किया जा रहा है। शुरूआत में 10 जून और 12 जून को 5-5 हजार के दो पेमेंट डाले गए।

बीएसएफ की फायरिंग रेंज से चली गोली सुपरवाइजर को लगी, मौत

इंदौर। सुपर कॉरिडोर स्थित एक कंस्ट्रक्शन साइट के सुपरवाइजर को बीएसएफ की फायरिंग रेंज से आई गोली लग गई। इससे उसकी मौत हो गई। घटना मंगलवार सुपह की है। सुपरवाइजर दो किमी दूर खड़ा था। मृतक सुपरवाइजर की पहचान बलराम यादव के रूप में हुई है। बलराम को अरबिंदो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पहले लगा कि किसी ने हत्या की है, लेकिन पुलिस एक्शन में आई और मजदूरों के मध्य खड़े बलराम को गोली मारने वालों की तलाश में जुट गई। दोपहर बाद खुलासा हुआ बलराम की हत्या नहीं हादसा हुआ है। मृतक बलराम एक निर्माणाधीन मल्टी में सुपरवाइजर का काम करते थे। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। जिस निमार्णाधीन मल्टी में यह घटना हुई, वह किसी पापड़ वालों की बताई जा रही है।

किसी ने भी गोली मारते और शूटर को भागते नहीं देखा पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर ने बताया कि बलराम के सीने में जो कारतूस मिला वह 7.62 एमएम का है। इसका इस्तेमाल पेरामिलिट्री फोर्स द्वारा किया जाता है। इसके बाद पुलिस की जांच की दिशा ही बदल गई। डीसीपी जोन-3 डा.हंसराजसिंह घटना स्थल पर पहुंचे तो बताया बलराम को गोली लगी उस वक्त करीब 40 मजदूर काम कर रहे थे। किसी ने भी गोली मारते और शूटर को भागते नहीं देखा। इससे भी पुलिस का शक फायरिंग रैंज पर गहराया।

बीएसएफ की रेवती रेंज में चल रहा था प्रशिक्षण पीएम रिपोर्ट के बाद अफसर बीएसएफ के अधिकारियों से मिलें तो बताया सुबह बीएसएफ की रेवती रेंज(ब्रेवो) में जवानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा था। रैंज में करीब 25 जवान निशाने लगाने का प्रशिक्षण ले रहे थे। रैंज की दूरी घटना स्थल से करीब दो किमी(एरियल डिस्टेंस) दूर पर है। स्नाइफर राइफल से चलाई थी गोलीटीआइ लोकेशसिंह भदौरिया के मुताबिक गोली स्नाइफर रायफल से चली है। बीएसएफ में सामान्यत- प्रशिक्षण चलता रहा है। गोली ट्रेजेक्ट्री बनाते हुए आई है।

गैरइरादन हत्या का केस जोन-3 के डीसीपी हंसराज सिंह के मुताबिक घटना 420 नमकीन पापड़ के पास की है। यहां एक इमारत का निर्माण कार्य चल रहा है, जहां मंगलवार सुबह अचानक साइट पर काम करते-करते कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर बलराम की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने कई बिंदुओं पर जांच की और घटनास्थल पर मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए। इसके बाद भी किसी अज्ञात बदमाश की कोई जानकारी हाथ नहीं लगी, जिसके बाद पुलिस अफसरों ने बीएसएफ की रेवती रेंज में चल रही लगातार फायरिंग को भी जांच में लिया। इस दौरान एफएसएल द्वारा जांच में पाया कि जो गोली सुपरवाइजर को लगी है वो डोमेस्टिक वेपन की नहीं थी। घटना के बाद अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की कि यह मौत कोई हत्या नहीं, बल्कि रेवती रेंज में प्रशिक्षण के दौरान निकली गोली से हुई थी। इस मामले में पुलिस गैरइरादन हत्या का केस दर्ज करेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डिवाइन ज्वेलर्स के संचालकों पर करोड़ों की हेराफेरी के दो केस

-कर्नाटका बैंक ने दर्ज कराए दोनों केस, बैंक के लोन का इस्तेमाल ज्वेलरी के लिए न कर निजी काम के लिए किया

इंदौर। त्योहारी सीजन के पहले ही इंदौर के एक बड़े सराफा कारोबारी पर क्राइम ब्रांच ने दो केस दर्ज किए हैं। दोनों ही केस धोखाधड़ी के मामले में दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने बताया है कि सभी कागज जांचें जा रहे हैं। जांच के बाद धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं। इंदौर में डिवाइन ज्वेलर्स के संचालकों के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने धोखाधड़ी के दो केस दर्ज किए हैं। कर्नाटका बैंक ने दोनों केस दर्ज करवाए हैं। मामला 12 करोड़ रुपए से ज्यादा का बताया जा रहा है।

क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कर्नाटका बैंक के मैनेजर अमित कुमार की शिकायत पर डिवाइन ज्वेलर्स के गौरीशंकर सोनी, राजेश सोनी, कंचना देवी, मौसूम, मनोज सोनी, पूनम सोनी और नेहा सोनी पर केस दर्ज किया गया है। जांच में डिवाइन ज्वेलर्स के बैंक स्टेटमेंट और लोन सेंक्शन के पेपर्स को ऑडिटर ने संदिग्ध माना था। पुलिस अधिकारी के मुताबिक बड़ा सराफा में डिवाइन ज्वेलर्स के खातों की जांच कराई गई। इसमें सामने आया कि दिसंबर 2020 में स्टॉक स्टेटमेंट 775.26 लाख रुपए का बताया गया। ऑडिट कराने पर 320.7 लाख रुपए ही निकला। बैंक के लोन टर्म एंड कंडीशन के हिसाब से अमाउंट का उपयोग ज्वेलरी के लिए करना था। लेकिन उसका उसका उपयोग निजी कामों और फंड जनरेट करने के लिए कर लिया गया।

दूसरे बैंक में ट्रांसफर की राशि

डिवाइन ज्वेलर्स को यह पैसा कर्नाटका बैंक में रखना था। इस शर्त का उल्लंघन करते हुए पैसा आईसीआईसीआई बैंक में डायवर्ट कर दिया। आरोपी संचालकों ने कोरोनाकाल में सोना खरीदने का बिल देना बताया। वहीं स्टॉक को कच्चे बिल में बेचकर वर्किंग कैपिटल जमा नहीं कराई। दोनों मामलों में चेक करने पर तारीखों में अंतर मिला है। इस तरह संदिग्ध लेनदेन को सही बताने का प्रयास करने और फंड से जमीन खरीदने के भी आरोप हैं।

जिन्हें पैसे दिए वे भी इस व्यवसाय के नहीं

1 करोड़ 34 लाख रुपए से ज्यादा का पेमेंट ऐसे लोगों को किया गया, जो इस व्यवसाय से जुड़े ही नहीं है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक इनके नाम प्रियंका केवलिया, करुणा लबड़े, श्याम राव, राकेश जैन, मुकेश कुमार खत्री, राकेश कुमार उपाध्याय, अंगुली जैन, रानी जैन, ज्योति लबड़े, अजित कुमार जैन, गरिमा, प्रीति जैन, अभय कुमार जैन, विभा जैन, पिंकी कसेरा हैं।

संदिग्ध लेनदेन में भी दर्ज हुई एफआईआर

क्राइम ब्रांच ने डिवाइन ज्वेलर्स के एक और फर्जीवाड़े में दिलीप सोनी, मनोज, गौरीशंकर, राजेश, कंचना देवी, मौसूम पर एक अन्य प्रकरण भी दर्ज किया है। इसमें भी कर्नाटका बैंक की तरफ से ही एफआईआर कराई गई है। 73 लाख रुपए से ज्यादा का संदिग्ध लेनदेन ओजस्वी जैन, सनत कुमार जैन, तारा जैन, अर्जुन सिंह, प्रीति देवी, कपिल जैन, भारती जैन, रामबिहारी श्रीवास्तव, प्रीति सारस्वत को करने का आरोप है। ऑडिट बैलेंस शीट में हेरफेर किया गया। उन्हें भी कोविड के दौरान सोना खरीदना-बेचना बताया गया।

कांग्रेस नेता पारस सकलेचा ने याचिका लगाकर की कुछ बिंदुओं पर फिर से जांच की मांग

व्यापमं घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने मप्र सरकार को जारी किया नोटिस

भोपाल। देश-दुनिया के चर्चित मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल यानि व्यापमं घोटाला का जिन्न फिर बाहर आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। पूर्व निर्दलीय विधायक और व्यापमं मामले के व्हिसलब्लोअर कांग्रेस नेता पारस सकलेचा ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दो महीने पहले उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर कुछ बिंदुओं पर फिर से जांच की मांग की है। व्यापंम घोटाला मामले पर कोर्ट ने सरकार से जवाब तलब किया है। वर्ष 2009 में व्यापमं घोटाला सामने आने के बाद सकलेचा ने एसटीएफ को दस्तावेज के साथ आवेदन सौंपकर कुछ बिंदुओं पर जांच की मांग की थी। लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस आवेदन पर जांच के लिए उन्होंने पिछले वर्ष हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिका दायर की। इस पर एसटीएफ को दिए आवेदन पर कार्यवाही की मांग की। वहां पर 19 अप्रैल को हाई कोर्ट ने याचिका निरस्त कर दी, तो सकलेचा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लग दी। कोर्ट में इस मामले की पैरवी कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा और सर्वम ऋतम खरे कर रहे हैं।

350 पेज का दिया आवेदन- बता दें कि स्पेशल टास्क फोर्स यानि एसटीएफ ने 27 नवंबर 2014 को विज्ञप्ति जारी कर व्यापमं की जांच में बिंदु शामिल करने के लिए दस्तावेज सहित आवेदन मांगे थे। इसके बाद पारस सकलेचा ने 11 दिसंबर 2014 को दस्तावेज सहित 350 पेज का आवेदन दिया था।

एसटीएफ की कार्यप्रणाली पर सवाल- उन्होंने 12 जून 2015 को एसटीएफ को मौखिक साक्ष्य के अतिरिक्त 71 पेज का लिखित बयान और 240 पेज के दस्तावेज भी दिए। एसटीएफ ने 11 से 13 सितंबर 2019 को दोबारा 13 घंटे तक बयान लिया। इसके बाद उनका आरोप है कि इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। वर्ष 2015 में व्यापमं का मामला सीबीआई में चला गया। सीबीआई ने अक्टूबर 2016 में बयान लेने के बाद आवेदन को मुख्य सचिव को भेजा पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सीबीआई व एसटीएफ पर जांच में लापरवाही का आरोप- अब सुप्रीम कोर्ट में पारस सखलेचा ने अपने आवेदन में तत्कालीन मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा, संचालक चिकित्सा शिक्षा, व्यापमं के अध्यक्ष आदि से पूछताछ की मांग की। सकलेचा ने अपने आवेदन में कहा कि सीबीआई व एसटीएफ ने जांच में काफी लापरवाही की है। उन्होंने अपने लगभग 850 पृष्ठ के दस्तावेजी साक्ष्य की विवेचना कर कार्रवाई का अनुरोध न्यायालय से किया है।

क्या है व्यापमं घोटाला?- व्यापमं घोटाले की शुरूआत साल 2007-08 में मानी जाती है। जब स्थानीय निधि लेखा परीक्षक कार्यालय की रिपोर्ट में अनियमितताओं का पता चला। साल 2013 में इंदौर पुलिस ने शहर के कई होटलों में से 20 लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनमें से 17 लोग उत्तर प्रदेश से थे और ये असली परीक्षार्थियों के बदले खुद केंद्र में बैठकर परीक्षा देने आए थे।

नाम में हुआ बदलाव- इस मामले में पहले एमपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने इसकी जांच की। बाद में 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने व्यापमं केस की जांच सीबीआई को सौंपी थी। बाद में सरकार ने इसका नाम बदलकर प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड कर दिया। इसके बाद इसकी संरचना में बदलाव करके इसे एम्पलाई सिलेक्शन बोर्ड कहा जाने लगा।

ग्वालियर के गौसपुरा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में 80 फीट चौड़ी सड़क को अतिक्रमण से मुक्त करने में देरी पर हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

कारोबारी को हेलीकॉप्टर दे या फ्लाईओवर बनवाए प्रशासन

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने बिरलानगर में फैक्ट्री जाने के लिए सड़क से अतिक्रमण न हटा पाने पर अधिकारियों पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि प्रशासन या तो कारोबारी को फैक्ट्री जाने के लिए हेलीकॉप्टर दे या फिर फ्लाईओवर बनवाए। जस्टिस के इस बयान के बाद से मामला सुर्खियों में आ गया है। दरअसल, अतिक्रमण ये मामला साल 2012 से पेंडिंग है। हाईकोर्ट ने गौसपुरा औद्योगिक क्षेत्र की 80 फीट चौड़ी सड़क से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। फैक्ट्री संचालक की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस मिलिंद रमेश फड़के ने कहा कि कई बार अंडरटेकिंग देने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका है। मामले में डीआईसी अधिकारियों का कहना है कि जमीन उद्योग विभाग को आवंटित है। इस खींचतान के बीच हाईकोर्ट ने अधिकारियों की लापरवाही पर तंज कसा है। जस्टिस मिलिंद रमेश फड़के ने व्यंग करते हुए कहा कि प्रशासन कारोबारी को फैक्ट्री जाने के लिए हेलीकॉप्टर दे या फिर फ्लाईओवर तैयार करवाए। केस की अगली सुनवाई के लिए 21 अक्टूबर का दिन निर्धारित किया गया है।

जिला अधिकारी को कार्रवाई के सख्त आदेश- इसके साथ ही एमपी हाईकोर्ट ने जिला अधिकारी को मामले में सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। सुनवाई के दौरान एसडीएम से लेकर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक और अधीक्षक भू-अभिलेख आदि लोग उपस्थित रहे। एमपी हाईकोर्ट समय समय पर प्रशासन पर सख्त कार्रवाई करने के लिए नकेल कसने की कार्रवाई करता रहता है। ताकि इससे आम जनता को कम परेशानियों का सामना करना पड़े।

मप्र के 2 लाख से ज्यादा शिक्षकों को जल्द मिलेगा चौथे समयमान वेतनमान का लाभ

सामान्य प्रशासन विभाग की मंजूरी, 3 हजार रुपए का हर माह फायदा

भोपाल। प्रदेश भर के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले 2 लाख से ज्यादा शिक्षक लगातार समयमान वेतनमान की मांग कर रहे थे जो अब पूरी होती दिख रही है। दरअसल प्रदेश के शिक्षकों को मोहन सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। सरकार के इस फैसले के बाद प्रदेश के स्कूलों में पढ़ाने वाले सहायक शिक्षका, उच्च श्रेणी शिक्षक, प्राथमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक और प्रिंसिपल तक को इसका लाभ मिलेगा। चौथे समयमान वेतनमान को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग को सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति मिल गई है। इसके बाद विभाग ने इसे वित्त विभाग की मंजूरी के लिए भेज दिया है।

चौथा समयमान वेतनमान बढ़ने से प्रदेश के शिक्षकों का वेतनमान 3 हजार रुपए तक मासिक बढ़ जाएगा। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने ह्यसरकार की इस पहल का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि संघ इसको लेकर पिछले दिनों ज्ञापन दिया गया था। 4 अप्रैल को संचालक स्कूल शिक्षा द्वारा जारी किए गए आदेश में इन्हें इस दायरे से बाहर कर दिया गया था। कई विभागों के कर्मचारियों को इसका लाभ पहले ही मिलने लगा है। सरकार के निर्णय लेने के बाद प्रदेश के शिक्षकों को भी 3 हजार रुपए का हर माह वेतनमान में लाभ होगा।

लंबे समय से कर रहे थे मांग -कर्मचारी संगठनों द्वारा समयमान वेतनमान को लेकर लंबे समय से मांग उठाई जा रही है। इसको लेकर विधानसभा चुनाव के पहले राज्य सरकार ने इस मांग को मानते हुए सभी विभागों के कर्मचारियों को इसका लाभ दिए जाने के आदेश दिए थे। इसमें कहा गया था कि 35 साल की सेवा पूरी होने पर कर्मचारियों को चौथे समयमान वेतनमान का लाभ दिया जाएगा। इसके बाद वित्त विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किए थे और कुछ विभागों को छोड़ बाकी विभागों के कर्मचारियों को इसका लाभ मिलने लगा था।

युवक ने लगाई फांसी, तीन दिन बाद बदबू आने पर पड़ोसियों ने दी सूचना

भोपाल। बजरिया थाना इलाके में 28 वर्षीय युवक तरूण शर्मा ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। वह पिछले कुछ दिनों से बेरोजगार था और आर्थिक तंगी के चलते वह परेशान रहता था। इसी के चलते उसने पिछले सप्ताह अपने कमरे में फांसी लगा ली। तीन दिन तक उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो आस-पड़ोस के लोगों ने ध्यान नहीं दिया, लेकिन कमरे से बदबू आने पर उन्होंने देखा तो तरूण अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम किया है। बजरिया थाना पुलिस के अनुसार तरूण मूलत- बैतूल जिले के शाहपुर का रहने वाला था। वह करीब एक साल पहले काम के सिलसिले में भोपाल आया था। यहां द्वारका नगर में किराये के कमरे में रहता था। आर्थिक तंगी की बात कई बार वह अपने परिवार को बताता था। स्वजनों को आशंका है कि इसी के चलते उसने यह कदम उठाया है।

शराब के नशे में दूसरी मंजिल से गिरा अधेड़, मौत

भोपाल। द्वारका नगर में एक अधेड़ शराब के नशे में अपने घर की दूसरी मंजिल से गिर गया, जिससे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। शराब के नशे में होने की बात पीएम रिपोर्ट में सामने आई है। साथ ही उसके स्वजनों का भी कहना है कि हादसे से पहले वह शराब के नशे में था। बजरिया थाना पुलिस के अनुसार 41 वर्षीय प्रयाग सिंह अपने परिवार के साथ रहता था और प्राइवेट काम करता था। शनिवार की रात वह नशे में घर की दूसरी मंजिल पर मौजूद था। स्वजनों को उसके नीचे गिरने की आवाज आई, जिसके बाद उसे निजी अस्पताल में ले जाया गया। रात करीब दो बजे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

निवेश के नाम पर 1.70 करोड़ के ठगी के आरोपी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

भोपाल। स्पेशल टास्क फोर्स भोपाल ने सोमवार को रायल रेसीडेंसी निवासी भगतसिंह मार्ग जयपुर राजस्थान निवासी रविकुमार जैन के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया। आरोपी चिटफंड कंपनी में निवेश के नाम पर 1.70 करोड़ राशि के ठगी का आरोपी है। स्पेशल टास्क फोर्स के पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह भदौरिया ने बताया कि एडीजी एसटीएफ पंकज कुमार श्रीवास्तव को इस धोखाधड़ी की शिकायत मिली थी। इस पर धोखाधड़ी की धाराओं में एफआइआर दर्ज की गई।मामले की जांच का जिम्मा डीएसपी मनोज दीक्षित और इंस्पेक्टर सुभाष दरशायमकर को दिया गया है। जांच में मुख्य आरोपी प्रकाशचंद जैन निवासी जयपुर राजस्थान को 23 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि दूसरा आरोपी रवि कुमार जैन फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन वह फरार है। उसकी योजना स्पेशल टास्क फोर्स से गिरफ्तारी से बचने विदेश भागने की है। इसको लेकर एसटीएफ द्वारा ब्यूरो आफ इमीग्रेशन नई दिल्ली को पत्र लिखकर लुक आउट नोटिस जारी कराया गया है।

पार्टी नेताओं के विरोध के बीच आए बैकफुट पर, टीकमगढ़ में पार्टी में मचा अंतर्कलह समाप्त होने की उम्मीद

केंद्रीय मंत्री खटीक ने रद्द की सभी 130 सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति

भोपाल। सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति को लेकर टीकमगढ़ सांसद वीरेंद्र कुमार खटीक अपने लोगों के निशाने पर हैं। पार्टी नेताओं के विरोध के बीच केंद्रीय मंत्री बैकफुट पर आ गए हैं। उन्होंने 130 सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति रद्द कर दी है। सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति रद्द होने से टीकमगढ़ में पार्टी के अंदर मचे अंतर्कलह समाप्त होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री डॉ.वीरेंद्र कुमार ने छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले के कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा कि मेरे द्वारा जिले में विभिन्न विभागों और स्थानों पर कार्य को सहज बनाने के लिए सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई थी। विभिन्न विषयों के आने के कारण पार्टी की रीति नीति और सिद्धांतों के तहत पार्टी हित में समस्त सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति स्थगित की जाती है। उन्होंने यह भी लिखा कि सभी सांसद प्रतिनिधियों की समीक्षा करने के उपरांत सभी प्रकार की सकारात्मक स्वीकृति आने के उपरांत फिर से नियुक्तियां की जाएंगीं। गौरतलब है कि टीकमगढ़ के एक सांसद प्रतिनिधि के खिलाफ दो दिन पहले ही बच्ची से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज हुआ है। सांसद ने हर जिले में बड़ी तादाद में सांसद प्रतिनिधि बना दिए थे। इनमें से कुछ के खिलाफ पहले से ही बलात्कार सहित कई गंभीर अपराध दर्ज होने पर पूर्व मंत्री मानवेन्द्र सिंह भंवर राजा, छतरपुर विधायक ललिता यादव के साथ ही पूर्व विधायक राहुल लोधी आदि ने सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति पर सवाल खड़े किए थे। मामला तूल पकड़ने पर भाजपा हाईकमान ने इसे अपने संज्ञान में लिया था। समझा जाता है कि हाईकमान के निर्देश पर सांसद को अपने प्रतिनिधियों की नियुक्ति स्थगित करनी पड़ी है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वीकृत किए 162.41 करोड़

प्रदेश की 86 सड़कों को केंद्र ने दी मंजूरी

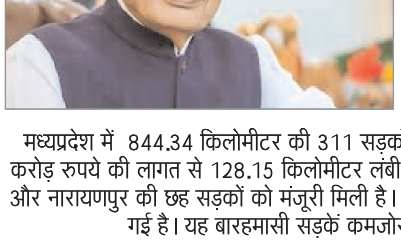

भोपाल। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ को सौगात दी है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने पीएम जनमन योजना के तहत मध्यप्रदेश की 86 और छत्तीसगढ़ की 18 सड़कों को मंजूरी दी है। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में गांव-गांव लगातार बाहरमासी सड़कों से जुड़ रहे हैं। मध्यप्रदेश में 162.41 करोड़ रुपये की लागत से 216.86 किलोमीटर लंबी 86 सड़कों को मंजूरी मिली है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत मध्यप्रदेश के अलग-अलग जिले में सड़कों को स्वीकृति दी गई है। इसमें अनुनपूर, विदिशा, बालाघाट, जबलपुर और गुना में सड़कों को जाल बिछाया जाएगा। अब तक मध्यप्रदेश में 844.34 किलोमीटर की 311 सड़कों को मंजूरी दी गई है। वहीं, केंद्रीय मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ में 97.63 करोड़ रुपये की लागत से 128.15 किलोमीटर लंबी 18 सड़कों को स्वीकृति दी है। छत्तीसगढ़ के दो जिले कावर्धा की 12 और नारायणपुर की छह सड़कों को मंजूरी मिली है। छत्तीसगढ़ में अब तक 1590.843 किलोमीटर की सड़कें स्वीकृत की गई है। यह बारहमासी सड़कें कमजोर जनजातीय समूह को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ेंगी।

भोपाल रेल मंडल में 38 हजार से अधिक आए थे मामले

बेटिकट यात्रियों से पिछले माह रेलवे ने कमाए 1.89 करोड़

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल रेल मंडल ने बेटिकट यात्रियों से खूब कमाई है। रेलवे के खजाने में बिना टिकट सफर कर रहे लोगों से खटाखट रुपए आए हैं। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया के निर्देशन में भोपाल रेल मंडल के स्टेशनों पर नियमित चेकिंग की गई है। इसका नजीजा यह हुआ कि रेल मंडल की कमाई बढ़ गई है। अगस्त 2024 में सिर्फ भोपाल रेल मंडल ने 1.89 करोड़ रुपए की कमाई की है। अगस्त 2024 में की गई टिकट जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के 18,373 मामले पकड़े गए, जिनसे किराया और बतौर जुर्माना सहित रुपए 1,06,28,115 वसूल किया गया। अनियमित टिकट यात्रियों के 19,646 मामले पकड़े गए, जिनसे किराया और बतौर जुर्माना सहित रुपए 82,57,130 वसूल किया गया। इसी प्रकार बिना बुक कराए सामान के साथ यात्रा करने के 198 मामले पकड़े गए, जिनसे रुपए 38,385 वसूला गया। वहीं, 01 अगस्त से 31 अगस्त 2024 तक की गई टिकट जांच के दौरान बिना टिकट/अनियमित टिकट और बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करने के पकड़े गए कुल 38,217 मामले से रेलवे को रुपए 1,89,23,630 राजस्व की प्राप्ति हुई।

ऑनलाइन वेटिंग टिकट पर यात्रा करने की अनुमति नहीं - इसके साथ ही रेलवे ने यात्रियों से उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की अपील की है। साथ ही कहा है कि ऑनलाइन वेटिंग टिकट पर यात्रा करने की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार प्लेटफॉर्म टिकट पर भी यात्रा के लिए अनुमति नहीं है। स्टेशन प्लेटफॉर्म पर प्रवेश के लिए यात्रा टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट होना आवश्यक है। यात्रा से पूर्व अपने सामान को बुक कराएं, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पति से तलाक लेकर पिता के घर में आरोपी के साथ रहती थी 2 बच्चों की मां

दो साल तक लिव-इन में रहने के बाद भागा प्रेमी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी के अवधपुरी इलाके में प्रेमी दो साल तक अपनी शादीशुदा प्रेमिका के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहा और जब प्रेमिका ने शादी का दबाव डाला तो वह उसे छोड़कर भाग गया। तीन महीने से प्रेमी का फोन बंद जाने और घर पर मौजूद न होने के बाद प्रेमिका ने रविवार को अवधपुरी पुलिस थाने पहुंचकर उसके विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने युवक पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 37 वर्षीय महिला पेशे से जिम ट्रेनर है। वर्ष 2019 में उसकी मुलाकात एक अन्य जिम ट्रेनर देवेश पाटिल से हुई थी। दोनों एक ही जिम में ट्रेनिंग देते थे। दो वर्ष बाद दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग शुरू हुआ और वर्ष 2022 में महिला ने अपने पति को तलाक दे दिया, उसके दो बच्चे भी हैं। पति से अलग होने के बाद वह अपने पिता के घर में प्रेमी के साथ रहने लगी। दोनों करीब दो वर्ष तक लिव-इन में रहे। वहीं जब महिला ने प्रेमी पर शादी का दबाव बनाया तो उनके बीच विवाद होना शुरू हो गया। इसके चलते जून से प्रेमी महिला को छोड़कर भाग गया। प्रेमिका ने उसे फोन पर संपर्क करना चाहा तो नंबर बंद था। साथ ही वह जब युवक के बागमुगालिया स्थित घर पहुंची तो वहां से भी आरोपित गायब मिला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

संपादकीय

क्रिकेट के दौर में हमें अपने शतरंज खिलाड़ियों पर भी हो गर्व

हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड का आयोजन किया गया। फाइनल राउंड में भारतीय पुरुष टीम ने स्लोवेनिया को और महिला टीम ने अजरबैजान को हराकर दो स्वर्ण पदक जीते। भारत, जिसने इससे पहले 2014 और 2022 में दो कांस्य पदक जीते थे, ने कोरोना महामारी के दौरान आयोजित 2020 ऑनलाइन ओलंपियाड में रूस के साथ स्वर्ण साझा किया। इस तरह शतरंज ओलंपियाड के 90 साल के इतिहास में पहली बार भारतीय टीम ने अकेले स्वर्ण पदक जीता है।

हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड का आयोजन किया गया। फाइनल राउंड में भारतीय पुरुष टीम ने स्लोवेनिया को और महिला टीम ने अजरबैजान को हराकर दो स्वर्ण पदक जीते। भारत, जिसने इससे पहले 2014 और 2022 में दो कांस्य पदक जीते थे, ने कोरोना महामारी के दौरान आयोजित 2020 ऑनलाइन ओलंपियाड में रूस के साथ स्वर्ण साझा किया। इस तरह शतरंज ओलंपियाड के 90 साल के इतिहास में पहली बार भारतीय टीम ने अकेले स्वर्ण पदक जीता है।

शतरंज का जिक्र होते ही महान कथाकार, उपन्यासकार प्रेमचंद की याद ताजा होने लगती है। उनकी प्रख्यात कहानियों में 'शतरंज के खिलाड़ी' भी एक थी, जिस पर फिल्म भी बनाई गई। पहले शतरंज वक्तकटी का जरिया थी, लेकिन आज यह पेशेवर खेल है, जो दुनियाभर में खेला जाता है। भारत ने इसी खेल के ओलिंपियाड में नया और स्वर्णिम इतिहास रच दिया। दोहरा स्वर्णिम कीर्तिमान भी स्थापित किया। 1927 में 'चेस ओलिंपियाड' का अधिकृत और वैश्विक सफरनामा शुरू हुआ था। अब 2024 में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने सर्वश्रेष्ठ रहते हुए, पहली बार, दोहरे स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। इन मुकाबलों में रूस, चीन, अमरीका, अजबेकिस्तान सरीखे चैम्पियन देश पिछड़ गए और भारतीय खिलाड़ियों ने सुनहरी इबारत लिख दी। कुल 195 देशों की 197 टीमों और महिलाओं में 181 देशों की टीमों में भारत सर्वश्रेष्ठ रहा। वाह! कमाल है!! इस अभूतपूर्व खेल उपलब्धि पर पूरे देश को गर्व है। युवा खिलाड़ियों ने खेल के साथ-साथ देश का सम्मान भी आसमान तक पहुंचा दिया। अकल्पनीय, अतुलनीय तो यह रहा कि पुरुष टीम और उसके चैम्पियन खिलाड़ी डी. गुकेश 'अजेय' रहे। उन्होंने अधिकतर गेम जीते और एक-दो गेम ड्रा खेलने पड़े। पुरुषों में गुकेश और अर्जुन एरिगैसी, महिलाओं में दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने 'व्यक्तिगत स्वर्ण पदक' भी हासिल किए। भारत में पेशेवर शतरंज खेलना अपेक्षाकृत लोकप्रिय नहीं है, लेकिन हमारे खिलाड़ी 2014, 2022 में चेस ओलिंपियाड के कांस्य पदक विजेता बनते रहे हैं। चुनौती के स्पष्ट संकेत थे कि भारत एक दिन 'सर्वोच्च' भी हो सकता है। हालांकि तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद पांच बार शतरंज के 'विश्व चैम्पियन' बने और खेल के महानतम खिलाड़ियों की जमात में शामिल हुए। उनकी विरासत आज गुकेश, अर्जुन, प्रज्ञाननंदा, विदित गुजराती सरीखे युवा खिलाड़ियों में झलकती है। महिलाओं में भी शतरंज की एक सशक्त, विजेता पीढ़ी दिव्या, हरिका, वैशाली, वंतिका, तानिया सचदेव और दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी आदि के रूप में सामने है। इन तमाम खिलाड़ियों को वर्ल्ड रैंकिंग हासिल है। गुकेश विश्व चैम्पियनशिप के चैलेंजर हैं। वे नवंबर, 2024 में सिंगापुर में मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन से मुकाबला करेंगे। गुकेश अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीत कर ऐसी स्थिति में आए हैं कि वे विश्व चैम्पियन को चुनौती दे पा रहे हैं। कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि मात्र 18 वर्षीय किशोर गुकेश अगला विश्व चैम्पियन बनकर दुनिया के सामने आए। हैरानी तो यह होती है कि औसत खिलाड़ी की उम्र 18-22 साल है और वे शतरंज के 'राजा-रानी' बनकर उभरे हैं। शायद देश के अधिकांश लोगों ने गुकेश, अर्जुन, प्रज्ञान, दिव्या, वंतिका, वैशाली सरीखे शतरंज के 'ग्रैंडमास्टर्स' के नाम न सुने हों! शतरंज क्रिकेट और अन्य खेलों की तरह लोकप्रिय नहीं है, लेकिन वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैम्पियन खिलाड़ी हैं। अर्जुन और गुकेश क्रमशः वर्ल्ड नंबर 4 और 7 हैं। इस स्वर्णिम सफलता के बाद उनकी रैंकिंग बेहतर हो सकती है। दोनों के खेल में कई समानताएं हैं। वे घोर आत्म-विश्वासी और फोकस वाले खिलाड़ी हैं। वे आक्रामक खिलाड़ी भी हैं, लिहाजा खेल के दौरान जोखिम उठाने से भी नहीं घबराते। उनकी एकाग्रता, दिमागी गहराई और गणना, कुशाग्रता और शह-मात की चपलता बिसात के मोहरों पर चिपकी रहती है। उन्हें चिंता नहीं होती कि सामने कौनसा प्रतिद्वंद्वी मौजूद है। वे बस बिसात पर लड़ाई लड़ने की सोचते हैं। इस बार जब तमाम खिलाड़ी शह-मात और 'राजा-रानी' का मुकाबला खेल रहे थे, तो महानतम आनंद वहीं मौजूद थे और अपनी विरासत का मूल्यांकन कर रहे थे। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और कई बार विश्व चैम्पियन रहे मैगनस कार्लसन का अर्जुन एरिगैसी के बारे में आकलन है कि शतरंज की बिसात पर वे 'पागल आदमी' की तरह है। महिलाओं में दिव्या देशमुख ने 'व्यक्तिगत स्वर्ण पदक' भी जीता है। बहरहाल हंगरी के बुडापेस्ट में जो ओलिंपियाड आयोजित किया गया और भारत ने स्वर्णिम सफलताएं अर्जित कीं, उनके बाद अब सरकार को शतरंज पर भी गंभीरता से सोचना चाहिए। बता दें कि प्रज्ञानंद और महिला टीम में भाग लेने वाली वैशाली और भारतीय शतरंज ओलंपियाड टीम के कप्तान श्रीनाथ देश वापस आ गए हैं। चेन्नई पहुंचने पर तमिलनाडु के खेल विकास प्राधिकरण की ओर से एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद भारतीय शतरंज ओलंपियाड टीम के कप्तान श्रीनाथ ने मीडिया से कहा, यह बहुत गर्व की बात है कि भारतीय पुरुष और महिला टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड में पहली बार स्वर्ण पदक जीता है।

भारतीय पत्रकारिता के पुरोधा थे दीनदयाल उपाध्याय

जयंती विशेष

दीनदयाल उपाध्याय एक विचारक, प्रचारक, राष्ट्रऋषी, संपादक, पत्रकार, अर्थशास्त्री, समाजसेवी, एक प्रखर वक्ता, शिक्षाविद तथा अपूर्व संगठनकर्ता थे। उन्होंने दिनरात भारत माता की सेवा करते-करते अपने जीवन को होम कर दिया। उन्होंने भारतीय सभ्यता संस्कृति पर होने वाले प्रहारों से व्यथित होकर लेखनी को चुना। वे लेखकों के लेखक तथा संपादकों के संपादक थे। जिनके मार्गदर्शन में अटल बिहारी वाजपेयी, राजीव लोचन अग्निहोत्री, देवेंद्र स्वरूप तथा भानुप्रताप शुक्ल जैसे श्रेष्ठ पत्रकारों ने पत्रकारिता के ज्ञान को प्राप्त किया था।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ मिलकर भारतीय जनसंघ के रूप में देश को राजनीतिक विकल्प देने वाले और एकात्मक मानववाद के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की 25 सितंबर को जयंती है। किसी ने सच ही कहा है कि कुछ लोग सिर्फ समाज बदलने के लिए जन्म लेते हैं और समाज का भला करते हुए ही खुशी से मौत को गले लगा लेते हैं। उन्हीं में से एक नाम है दीनदयाल उपाध्याय का, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी समाज के लोगों को ही समर्पित कर दी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय को साहित्य से एक अलग ही लगाव था, शायद इसलिए दीनदयाल उपाध्याय अपनी तमाम जिंदगी साहित्य से जुड़े रहे। उनके हिन्दी और अंग्रेजी के लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते थे। साहित्य से लगाव इतना की उन्होंने केवल एक बैठक में ही 'चंद्रगुप्त' नाटक लिख डाला था। दीनदयाल उपाध्याय ने लखनऊ में 'राष्ट्र धर्म' नामक प्रकाशन संस्थान की स्थापना की और अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए एक मासिक पत्रिका राष्ट्र धर्म शुरू की। बाद में उन्होंने 'पाञ्चजन्य' साप्ताहिक एवं 'स्वदेश दैनिक' की शुरुआत की।

दीनदयाल उपाध्याय एक विचारक, प्रचारक, राष्ट्रऋषी, संपादक, पत्रकार, अर्थशास्त्री, समाजसेवी, एक प्रखर वक्ता, शिक्षाविद तथा अपूर्व संगठनकर्ता थे। उन्होंने दिनरात भारत माता की सेवा करते-करते अपने जीवन को होम कर दिया। दीनदयाल जी ने लेखन तथा संपादन की शिक्षा आज के महाविद्यालयों विश्वविद्यालयों में प्राप्त होने वाली शिक्षा जैसे प्राप्त नहीं की थी। उन्होंने आर्गेनाइजर में पॉलिटिकल डायरी तथा पांचजन्य में 'विचार विथि' नाम से नियमित स्तंभों का लेखन किया। उन्होंने भारतीय सभ्यता संस्कृति पर होने वाले प्रहारों से व्यथित होकर लेखनी को चुना। वे लेखकों के लेखक तथा संपादकों के संपादक थे। जिनके मार्गदर्शन में अटल बिहारी वाजपेयी, राजीव लोचन अग्निहोत्री, देवेंद्र स्वरूप तथा भानुप्रताप शुक्ल जैसे श्रेष्ठ पत्रकारों ने पत्रकारिता के ज्ञान को प्राप्त किया था। आज जहां पत्रकारिता मिशन, प्रोफेशन से चलकर अब कमीशन में बदल गई है। ऐसे समय में दीनदयाल उपाध्याय और पत्रकारिता के प्रति उनकी विहंगम सामाजिक दृष्टि का महत्व और बढ़ जाता है। आज जहां पेड न्यूज की चारों तरफ भरमार हैं समाचार, विचार, विज्ञापन तथा कमीशन रूपी बाजार का बोलबाला है ऐसे समय मूल्यपरक पत्रकारिता हेतु दीनदयाल जी की प्रासंगिक और बढ़ जाती है।

समग्र अथवा एकात्म दृष्टि से मानव जीवन के सभी आयामों को देखने समझने और जीने की अद्भुत क्षमता के धनी थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय। पत्रकारिता को भी उन्होंने इसी दृष्टि से एक दिशा दी। वे स्वयं कभी संपादक या औपचारिक संवादाता नहीं रहे। उन्होंने संपादकों एवं संवादाताओं को सजीव सानिध्य एवं सहचर्य प्रदान किया। तभी संपादक व पत्रकार उन्हें सहज ही अपना मित्र एवं मार्गदर्शक मानते थे। पत्रकार के नाते आदरणीय पंडित जी का योगदान अनुकरणीय था। वे पत्रकार थे किंतु कार्ल मार्क्स ने जिस श्रेणी को जर्नलिस्ट थिंकर कहा है उस श्रेणी में आप नहीं थे। उनकी पत्रकारिता केवल समकालीन परिस्थितियों में ही उपयुक्त हो ऐसी नहीं थी। उनकी पत्रकारिता तो सुदूर भविष्य तक उपयोगी रहने वाली पत्रकारिता थी। पत्रकारिता और लेखक, समाचार व लेख के बीच बड़ी बारीक रेखा है। ठीक उसी प्रकार की बारीक रेखा दीनदयालजी के चरित्र में थी। पंडितजी आज की परिभाषा में पत्रकार नहीं थे। क्योंकि आज पत्रकार कौन है, जिसने किसी कॉलेज, यूनिवर्सिटी से पत्रकारिता की परीक्षा पास की हो, उसके बिना कोई अपने समाचार-पत्र में पत्रकार भर्ती करेगा ही नहीं। लेकिन इससे पहले समय था कि प्रभाकर जैसे और बड़े-बड़े पत्रकार हो गए, जिन्होंने कोई डिग्री नहीं ली, चेलापतिराय जैसे। उस श्रेणी में दीनदयालजी परोक्ष रूप से पत्रकार माने जा सकते हैं। उनकी गणना उस समय के प्रतिष्ठित पत्रकारों में भी होती थी। उनके पत्रकारीय व्यक्तित्व को समझने के लिए सर्वप्रथम यह बात ध्यान में रखनी होगी कि दीनदयालजी उस युग की पत्रकारिता का प्रतिनिधित्व करते थे जब पत्रकारिता एक मिशन होने के कारण आदर्श थी व्यवसाय नहीं। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान अनेक नेताओं ने पत्रकारिता के प्रभावों का उपयोग अपने देश को स्वतंत्रता दिलाकर राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए किया। विशेषकर हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषायी पत्रकारों में खोजने पर भी ऐसा संपादक शायद ही मिले जिसने अर्थोपार्जन के लिए पत्रकारिता का अवलंबन किया हो।

किसी भी प्रकार के लेखन के प्रति उनकी दूरदृष्टि रहती थी। अपने एक लेख के माध्यम से दीनदयाल जी कहते हैं- चुगलखोर और संवाददाता में अंतर है। चुगली जनरुचि का विषय हो सकती है किंतु सही मायने में वह संवाद नहीं है। संवाद को सत्यम् शिवम् और सुंदरम् तीनों आदर्शों को चरितार्थ करना चाहिए। केवल सत्यम् और सुंदरम् से ही काम नहीं चलेगा। सत्यम् और सुंदरम् के साथ संवाददाता शिवम् अर्थात कल्याणकारी भावना का भी बराबर ध्यान रखता है। वह केवल उपदेशक की भूमिका लेकर नहीं चलता । वह यथार्थ के सहारे वाचक को शिवम् की ओर इस प्रकार ले जाता है कि शिवम् यथार्थ बन जाता है। संवाददाता न तो शून्य में विचरता है और न कल्पना जगत की बात करता है। वह तो जीवन की ठोस घटनाओं को लेकर चलता है और उसमें से शिव का सृजन करता है। पिछले लगभग 200 वर्षों की पत्रकारिता के इतिहास पर यदि हम गौर करें तो स्पष्ट हो जाता है कि इस इतिहास पर विभाजन रेखा खींच दी जाती है स्वतंत्रता के पहले की पत्रकारिता और स्वतंत्रता के बाद की पत्रकारिता। स्वतंत्रता के पहले की पत्रकारिता को कहा जाता है कि वह एक व्रत था और स्वतंत्रता के बाद की पत्रकारिता को कहा जाता है कि वह एक वृत्ति है। यानी व्रत समाप्त हो गया है और वृत्ति आरम्भ हो गई। जो दोष आज हम पत्रकारिता में देखते हैं उनकी तरफ दीनदयाल जी अपने बौद्धिक और लेखों के माध्यम से इशारा किया करते थे।

वर्तमान पत्रकारिता का जब हम अवलोकन करते हैं तो उपरोक्त कथन ठीक मालूम पड़ता है कि पत्रकारिता वृत्ति बन गई है। दीनदयालजी आजादी के बाद के पत्रकारों में भी थे। लेकिन आजादी के बाद भी दीनदयालजी पत्रकारों के पत्रकार और संपादकों के संपादक थे। उनकी पत्रकारिता में उन वृत्तियों का कहीं पता नहीं चलता है। यहां तक कि कोई लक्षण भी देखने को नहीं मिलता है जिनसे आज की पत्रकारिता ग्रसित है। पंडित दीनदयाल निस्संदेह एक महान पत्रकार थे। वे पेटू पत्रकार नहीं थे। वे चाटुकार नहीं थे। वे लकीर के फकीर नहीं थे। वे आत्मसाक्षात्कारी थे। अपनी पैनी लेखनी द्वारा आत्मा की आवाज ही प्रस्फुटित करते थे। इसलिए उनकी लिखी बातें पाठकों के हृदय को छू जाती थीं। उनका लेखन कभी उथला या छिछला नहीं रहा। हर छोटी बड़ी घटना में वे चिरंतन मूल्य खोजते थे और उन्हें शब्दांकित करते थे। लिखते समय मानो उनकी समाधि लग जाती थी। जनकल्याण व देशहित उनकी लेखनी में हमेशा सर्वोपरि रहता था।

उनके जीवन का मंत्र चरैवेति रहा। दीनदयालजी ने पत्रकारिता द्वारा अपने लेखन के रूप में भारत को भारत से परिचय कराया । ऐसे विलक्षण मनीषी और पत्रकार थे दीनदयाल। स्वतंत्र भारत में मिशनरी पत्रकारिता के अग्रणी पुरुष दीनदयालजी ने जो नींव डाली थी उसी पर आगे बढ़ते हुए अक्षरशः हजारों पत्रकार भारत के अगले दौर की यात्रा का पथ निर्माण कर रहे हैं । सही अर्थों में दीनदयालजी संपादकों के संपादक थे। भारतीय पत्रकारिता के लिए वे आज भी प्रेरणा पुंज हैं और उनकी पत्रकारिता रूपी दृष्टि आज भी वर्तमान समय के हिसाब से शत प्रतिशत प्रासंगिक सिद्ध होती है।

दीन दयाल उपाध्याय का बचपन संघर्षों में बीता। उत्तरप्रदेश के मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में 25 सितंबर 1916 को ज्योतिष पं. हरीराम उपाध्याय के पौत्र भगवती प्रसाद और राम प्यारी के घर उनका जन्म हुआ। बचपन में ही माता-पिता की छत्र-छाया से वंचित हो गए। सीकर के राजा ने दस रुपए महीने की छात्रवृत्ति भी मंजूर की, जिससे दीन दयाल उपाध्याय पढ़ाई जारी रख सके। कानपुर में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के दौरान वे आरएसएस से प्रेरित हुए। कानपुर की शाखा में संघ की जो प्रतिज्ञा हुई उसमें पहले स्वयंसेवक दीनदयाल ही थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद वे संघ पदाधिकारी भाऊराव देवरस के पास गए और संघ से जुड़ने की इच्छा जताई। इस प्रकार वे उत्तरप्रदेश के प्रथम प्रचारक हुए। 21 अक्टूबर 1951 में दिल्ली में भारतीय जनसंघ की स्थापना के वक्त इसकी कमान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने संभाली। उन्हें तब एक ऊर्जावान सहयोगी की तलाश थी। उनकी तलाश दीनदयाल उपाध्याय पर जाकर खत्म हुई। तब दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि मुझे क्यों कीचड़ में डाला जा रहा है? इस पर तत्कालीन सरसंघचालक गुरुजी गोलवरकर ने कहा था, 'जो कीचड़ में रहकर भी कमल-पत्र जैसा अलिप्त रह सकता हो, वही राजनीति के क्षेत्र में कार्य करने के योग्य होता है, और इसलिए तुम्हारा चयन किया गया है।' जनवरी, 1953 में पंडित दीन दयाल को भारतीय जनसंघ का महामंत्री बनाया गया। तब श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था, यदि मुझे दो और दीन दयाल मिल जाएं तो मैं भारतीय रंगमंच का नक्शा ही बदल दूं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निधन के बाद पार्टी की जिम्मेदारी पूरी तरह दीन दयाल उपाध्याय पर आ गई। 1953 से 1967 तक संगठन महामंत्री रहने के बाद वे 1968 में भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष बने। कालीकट अधिवेशन में वे अध्यक्ष चुने गए थे। इससे पूर्व 1952 के आम चुनाव में दीन दयाल ने नाना जी देशमुख के साथ उत्तरप्रदेश में चुनाव का संचालन किया था।

दुनिया में शांति की संस्कृति का विकास हो

पूरे विश्व में युद्ध और हिंसा के खिलाफ जागरूकता फैलाने और शांतिपूर्ण समाधानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है, जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन समाज पर युद्ध और संघर्ष के परिणामों पर विचार करने के साथ-साथ शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करने का भी अवसर प्रदान करता है। यह दिन पूरी दुनिया में हर किसी को यह स्मरण कराता है कि बेहतर और अधिक न्यायपूर्ण दुनिया के लिए शांति सबसे जरूरी है। विश्व में शांति को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए इस दिन की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र ने 1981 में की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंसा के बजाय संवाद और समझ के माध्यम से संघर्षों को हल करने के महत्व को उजागर करना है। यह व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के बीच शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने और विकसित करने का एक विश्वव्यापी उत्सव है। हालांकि हर साल इस दिवस का विषय बदलता रहा है, लेकिन प्रत्येक विषय का मुख्य उद्देश्य सदैव लोगों से संघर्ष समाधान, हिंसा में कमी और आपसी समझ एवं सहयोग के माहौल के निर्माण के लिए पुरजोर काम करने का आग्रह करना ही रहा है। शांति दिवस समस्त मानवता को सभी मतभेदों से ऊपर उठकर शांति के लिए प्रतिबद्ध होने तथा शांति की संस्कृति के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। पिछले कुछ वर्षों में प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस का विषय अलग-अलग रहा है, जो विश्व शांति के लिए बदलती चुनौतियों को दशार्ते हुए संघर्ष समाधान, सहयोग और न्याय के विविध विषयों पर प्रकाश डालता रहा है। शांति दिवस के 15 वर्षों के विषयों को देखें तो 2010 का विषय था शांति और विकास के लिए युवा। 2011 में यह शांति और लोकतंत्र : अपनी आवाज बुलंद करें विषय के साथ मनाया गया। 2012 में टिकाऊ भविष्य के लिए टिकाऊ शांति, 2013 में शांति शिक्षा पर ध्यान, 2014 में शांति का अधिकार, 2015 में शांति के लिए साझेदारी : सभी के लिए सम्मान, 2016 में सतत विकास लक्ष्य : शांति के लिए आधारशिला, 2017 में शांति के लिए एक साथ : सभी के लिए सम्मान, सुरक्षा और गरिमा, 2018 में शांति का अधिकार-70 पर मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, 2019 में शांति के लिए जलवायु कार्रवाई, 2020 में कोविड-19 के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एक साथ शांति को आकार देना, 2021 में समतापूर्ण और टिकाऊ विश्व के लिए बेहतर ढंग से उबरना, 2022 में नस्लवाद को खत्म करें, शांति स्थापित करें और 2023 में शांति के लिए कार्य : वैश्विक लक्ष्यों के लिए हमारी महत्वाकांक्षा विषय के साथ अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के सभी हिस्सों में शांति को बढ़ावा देने के लिए शांति की संस्कृति पर घोषणा और कार्यक्रम को अपनाए जाने की 25वीं वर्षगांठ है और ऐसे में 2024 के अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के लिए शांति की संस्कृति का विकास करना विषय निर्धारित किया गया है, जो इस वर्ष के लिए शांति के लिए किए जा रहे प्रयासों को दशार्ता है। यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) का संविधान इस धारणा से शुरू होता है कि युद्ध मनुष्यों के दिमाग में शुरू होते हैं, इसलिए शांति की रक्षा मनुष्यों के दिमाग में ही की जानी चाहिए। यह वह धारणा है, जिसने इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के लिए थीम और लोगो को तैयार किया है। दरअसल बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों वाली दुनिया में अब शांति के विचार, शांति की संस्कृति, औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से, देशों और पीढ़ियों में बच्चों और समुदायों के दिमाग में विकसित किए जाने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1999 में शांति की संस्कृति के लिए कई आवश्यक मूल्य निर्धारित किए, जिनमें जीवन, मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति सम्मान, शिक्षा, संवाद और सहयोग के माध्यम से अहिंसा को बढ़ावा देना, संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्धता, समाज के सभी स्तरों और राष्ट्रों के बीच स्वतंत्रता, न्याय, लोकतंत्र, सहिष्णुता, एकजुटता, सहयोग, बहुलवाद, सांस्कृतिक विविधता, संवाद, समझ का पालन करना इत्यादि शामिल थे। अनुवर्ती प्रस्तावों में, महासभा ने टकराव के स्थान पर बातचीत को चुनने तथा एक-दूसरे के विरुद्ध नहीं बल्कि मिलकर काम करने के महत्व को भी स्वीकार किया। अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस की स्थापना सर्वप्रथम 1981 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। महासभा ने सर्वसम्मति से संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 36/37 द्वारा स्थापित इस दिन को सभी देशों और लोगों के बीच शांति के आदर्शों को स्मरण करने और मजबूत करने के लिए समर्पित करने का आह्वान किया था। दो दशक बाद 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस को अहिंसा और युद्धविराम की अवधि के रूप में नामित करने के लिए मतदान किया। महासभा ने सभी सदस्य देशों से अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस पर युद्ध विराम लागू करने और व्यक्तियों तथा संगठनों को शांति पहल का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस हमेशा से हथियार डालने और युद्ध विराम का पालन करने का समय रहा है लेकिन अब यह लोगों के लिए एक-दूसरे की मानवता को देखने का भी समय होना चाहिए। दरअसल संयुक्त राष्ट्र का एक ऐसी दुनिया बनाने का विचार है, जहां शांति हमारे जीवन के हर पहलू में समाहित हो यानी दूसरों के प्रति दया, समझ और सम्मान जैसे मूल्यों को सिखाना और उनका अभ्यास करना। इसमें हिंसा के बिना समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर काम करना और विभिन्न संस्कृतियों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करना भी शामिल है। प्रतिवर्ष शांति दिवस मनाने का उद्देश्य हर जगह लोगों को शांति और सद्भाव का समर्थन करने वाले तरीकों से कार्य करने के लिए प्रेरित करना है और यह एक ऐसी दुनिया की दिशा में काम करने का आह्वान है, जहां हर कोई शांति से रहे।

अनुपपुर में सिटी चीफ की खबर का हुआ असर

आर के मेडिकल में ड्रग इंस्पेक्टर ने मारी रेड

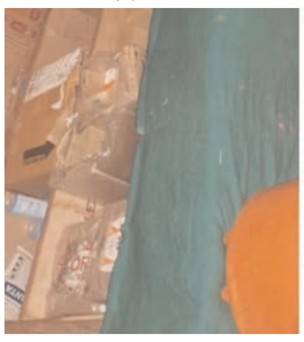

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ ।

अनुपपुर, अनुपपुर जैतहरी जनपद पंचायत के पास स्थित आर के मेडिकल की मेडिकल की आड़ में अवैध क्लिनिक संचालित करने की खबर को सिटी चीफ अनुपपुर ब्यूरो यशपाल जाट द्वारा प्रमुखता से सिटी चीफ में चलाए जाने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधिया के निर्देश पर ड्रग इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार जी के द्वारा आर के मेडिकल स्टोर पर रेड की गई जिसमे मेडिकल में अवैध क्लिनिक संचालित होने सहित अन्य कमियां पाई गई जिसका प्रमोद कुमार जी द्वारा कागजी कार्यवाही कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधिया जी के ओर प्रेसित कर दिया गया है , मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधिया जी का अमलाई गैस रिसाव के बचाव कार्य में वेस्तता के कारण अभी कार्यवाही आगे नहीं हो पाई जल्द ही आगे की कार्यवाही पूरी कर आरके मेडिकल पर कार्यवाही की जाएगी। आगे भी इसी तरह गलत कार्यों की जानकारी सिटी चीफ अनुपपुर द्वारा आप आमजन एवम जिम्मेदार अधिकारी के कान तक पहुंचाती रहेगी।

वनविभाग अनुपपुर की बड़ी कार्यवाही

दो ट्रक नीलगिरी की लकड़ी जप्त

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ ।

अनूपपुर, 24 अनूपपुर वनमंडलाधिकारी सुश्री श्रद्धा पेद्रे के निर्देशन में बिजुरी एवं अमरकंटक वन परिक्षेत्र में दो अलग-अलग वाहनों को नीलगिरी प्रजाति की लकडियों के अवैध परिवहन करते पाए जाने पर गश्ती दल द्वारा पकड़ कर पूछताछ किए जाने पर परिवहन करने के किसी भी तरह का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर अवैध परिवहन का प्रकरण तैयार करते हुए जप्ती की कार्यवाही कर वाहनों को वन परिक्षेत्र परिसर में सुरक्षित रखा गया है।इस संबंध में बताया गया कि वन परिक्षेत्र अमरकंटक में वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरकंटक वीरेंद्र श्रीवास्तव द्वारा रात्रि ग्रस्त के दौरान वाहन क्रमांक सी,जी,10 बीपी 4329 जिसमें तिरपाल से ढका हुआ कुछ दिखाई देने पर परीक्षण दौरान नीलगिरी की लकड़ी होना पाया गया जिस पर चालक प्रकाश आर्मो पिता संतराम आर्मो निवासी पकरिया जिला जीपीएम से पूछताछ किए जाने पर किसी भी तरह का वैध दस्तावेज नहीं दिखाये जाने पर जप्ती की कार्यवाही की गई वहीं वन परिक्षेत्र बिजुरी की वन परिक्षेत्र अधिकारी सुश्री जीतू सिंह ने गस्ती दौरान निगरानी सर्किल के बीट दुलहीबांद के पास ट्रक क्रमांक सी,जी,16 सीआर 6288 को रोककर परीक्षण करने पर नीलगिरी प्रजाति की गीली लकड़ी होना पाया गया जिस पर चालक राहुल सिंह पिता लक्ष्मण सिंह निवासी तामडांड जिला कोरिया छत्तीसगढ़ से पूछताछ पर नीलगिरी के परिवहन का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर जप्ती की कार्यवाही की गई इस दौरान वन परिक्षेत्र अमरकंटक में बीटगार्ड सोनमूडा जियालाल राठौर,बीटगार्ड अमरकंटक बाल सिंह परस्ते,बीटगार्ड ताली दिव्यदास सोनवानी,बीटगार्ड उमरगोहान हरीलाल प्रजापति एवं वन परिक्षेत्र बिजुरी में बीटगार्ड दुलहीबांध कमलकांत,बीटगार्ड चाका सत्यनारायण उपाध्याय,बीटगार्ड निगवानी सूरज सिंह के साथ अन्य लोगों की भूमिका सराहनी रही है।

25 लीटर अंग्रेजी शराब कीमती लगभग 15000 जप्त

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ ।

अनुपपुर। जैतहरी, आज दिनांक 24/09/2024 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई की एक व्यक्ति मोजर बेयर गेट नम्बर 02 के सामने किराना दुकान के सामने बने काउंटर के उपर एक खाकी रंग पुड्डे (कागज) के कार्टून मे अंग्रेजी शराब बिक्री हेतु रखे है, मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु मुखबिर के बताये स्थान उपरोक्त पर पहुंचकर रेड किया तो आनंद जायसवाल पिता काशी प्रसाद जायसवाल उम्र 47 वर्ष निवासी गुंवारी का अपने किराना दुकान मोजर वेयर गेट नं.02 के सामने दुकान के काउंटर के उपर एक खाकी रंग के पुढे (कागज) के कार्टून में एवं एक प्लास्टिक की बोरी में वियर की केन पावर 04 नग, हायवर्डस 13 नग, बियर बोतल हायवर्डस 05 नग, बोल्ट वियर 06 नग, हंटर 03 नग, मेकडावल व्हीस्की 02 बाटल, रायल चैलेज 08 पाव, 8 पी.एम. 10 पाव, ओल्ड मंक 03 पाव, सिग्रेचर 01 पाव, देशी मसाला 10 पाव, मदिरा प्लेन 07 पाव कुल लगभग 25 लीटर शराब कीमती 15000 रुपये रखे मिलने पर आरोपी का कृत्य धारा 34 (ए) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय अनूपपुर के निर्देशन मे निरीक्षक आर के धारिया, सउनि जय सिंह मरावी, प्रआर. 123 विनय त्रिपाठी, आर.479 विक्रम परमार, आर. 312 मनीष तोमर, प्रआर. चा. 165 संतोष जायसवाल की उल्लेखनीय भूमिका रही.

अनूपपुर वार्ड नं.04 में राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम के साथ बच्चों का मनाया गया जन्मदिवस

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ ।

अनूपपुर, अनूपपुर के महिला एवं बाल विकास परियोजना अनूपपुर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 04 आंगनवाड़ी में सुपरवाइजर दमयंती सिंह तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरोज मिश्रा तथा सहायिका सुनीता राठौर के मार्गदर्शन में माह के चौथे मंगलवार को राष्ट्रीय पोषण माह का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यकर्ता सरोज मिश्रा द्वारा मनाया गया बच्चो का जन्मदिन

वार्ड क्रमांक 04 के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरोज मिश्रा द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी के बच्चो का जन्मदिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया साथ ही उपस्थित वार्ड की महिलाओं को स्थानीय खाद्य पदार्थो से बने मोटे अनाजों,हरी सब्जियां मुनगा,चौरई भाजी खाने के साथ ही साफ सफाई के बारे में जागरूक करने का कार्य किया गया।

सुपरवाइजर दमयंती सिंह ने दी कार्यक्रम की जानकारी

आंगनवाडी वार्ड क्रमांक 04 में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सुपरवाइजर दमयंती सिंह द्वारा महिलाओं को ब्यायज्ञ कि राष्ट्रीय पोषण माह,पोषण और आहार विज्ञान अकादमी द्वारा शुरू किया गया एक वार्षिक अभियान है,इस अभियान का मकसद लोगों को सूचित भोजन विकल्प चुनने और स्वस्थ खान-पान और शारीरिक गतिविधियों की आदतें विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है,जो कि देश के आंगनवाड़ियों में 01 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा।प्रधानमंत्री राष्ट्रीय पोषण मिशन की शुरुआत 8 मार्च 2018 को हुई थी,जिसका मकसद कुपोषण, बौनापन,और एनीमिया जैसी समस्याओं को कम करना है।साथ ही पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत गांव,ब्लॉक,और ज़िला स्तर पर आउटरीच कार्यक्रम,पहचान अभियान,शिविर और घर घर का दौरा किया जाता है।

नागौद में वकील सत्यराज लोधी के साथ पुलिस ने की मारपीट

उमेश कुशवाहा | सिटी चीफ । सतना, साजिश के तहत एडबोकेट सत्यराज लोधी नागौद से रोज की तरह अपने कोर्ट का काम निपटा कर अपने गृह ग्राम गंगवारिया जा रहे थे तभी रास्ते में दो साथी मिल गए वो अपने पूर्व में न्यायलय में जो मामला चल रहे थे उसी संबंध में आपस चरचा कर रहे थे, उसी वक्त नागौद पुलिस का वाहन गुजरा और इन्हे खड़ा देख कर रुका और पुलिस वाले वाहन रोक कर उतरे तो मदर चोद तू बहुत बड़ा वकील बनता है बार बार इस्टे लगवाता है तेरा मदरचोद तेरा लाइसेंस खत्म करा देंगे यह कहते हैं और मारते हुए जबरन गाड़ी में बैठाने लगे तो विजय लोधी मना करने लगे क्यों मार रहे हो कया गलती है तो और पुलिस वाले विजय लोधी को मारने लगे और तू भी साथ में रहता है और भूपत कुशवाहा की बहुत सिफारिश करता है और तहसीलदार एसडीएम एसडीओपी टी आई साहब को बार बार आवेदन दिलवाता है देखते है की तुम लोग भूपत कुशवाहा की कितनी मदद करते हो स्वाहिल खान का तुम कुछ नही बिगाड़ सकते हो मकान बनेगा तेरे स्टे लगवाने से कुछ नहीं होगा हमको तब पता चला कि जब स्टे का आदेश सामने आया तो उसमे लिखा था कि अभिभाषक एडवोकेट एस आर लोधी है तब तू बड़े मुश्किल से मिला ये सब कहते हुए मारते हुए पुलिस थाने लाई।

धर्मनिरपेक्ष सरकार हमारी धार्मिक पद्धति पर दखल देना बंद करें: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महराज

तिरुपति प्रसादम मामला सनातनियों के साथ विश्वासघात : परमधर्म संसद श्रीधर शर्मा

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ ।

अमरकंटक, तिरुपति प्रसादम मामले में शहडोल परम धर्म सांसद श्रीधर ने घोर आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा है कि तिरुपति प्रसादम मामला देश के करोड़ों सनातनियों के साथ विश्वासघात व उनकी आस्था पर कुठाराघात है और धर्म गुरुओं ने इस विषय पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए धर्म रक्षा के लिए सनातन धर्म की धार्मिक पद्धति पर दखल दिए जाने पर कठोर आपत्ति जताई है। शहडोल परम धर्म सांसद श्रीधर शर्मा ने मीडिया से मुखातिब होते हुए जानकारी देते हुए कहा कि तिरुपति प्रसादम मामले में ज्योतिष पीठाधीश्वर अनंत विभूषित स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा है कि धर्मनिरपेक्ष सरकार यदि सनातन धर्म के धार्मिक पद्धति पर दखल देती है और यह इसी प्रकार से चलता रहा तो इस प्रकार की स्थितियां निरन्तर पैदा होती रहेंगी। स्वामी जी ने समस्त सनातनियो को आश्वस्त किया है कि जिन लोगों को ऐसा लगता है कि उन्होंने प्रसाद के माध्यम से गलत अभक्ष चीज का भक्षण किया है तो उनको घबराने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी को उसकी इच्छा के विरूद्ध धोखे से या बलपूर्वक अभक्ष चीजों का सेवन करा दिया जाए तो तो वह सेवन नहीं करने के बराबर ही होता है और इसके बाद भी यदि किसी को इसकी ग्लानि है तो वह पंचगव्य का सेवन कर स्वयं को शुद्ध करे। स्वामी जी ने चारो पीठों के शकराचार्यो से बात करने की बात कही है कि इस मामले में सभी धर्माचार्यों से चर्चा की जाएगी और सरकार की नीतियों पर तंज कसते हुए स्वामी जी ने कहा कि सरकार को यदि सनातन धर्म और संस्कृति पर दखल देना ही है तो वित्तीय मामलों पर दखल रहे, हमें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन धार्मिक मामलों में सरकार की दखल बंद होनी चाहिए। जब धर्मनिरपेक्षता का हवाला देकर वहां किसी की भर्ती की जाती है तो वह नौकरी करने वाला व्यक्ति अपनी विचारधारा के साथ वहां आता है और सनातन की रक्षा और नियमों का पालन करेगा या नहीं, ऐसा आवश्यक नहीं है और इस पर स्वामी जी ने कठोर वचनों के साथ विरोध जताया और सरकार से अपील की है कि इस पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जानी चाहिए, जिससे कि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

धर्म के रक्षार्थ धर्म गुरूओं और समस्त पीठों के शंकराचार्यों को करनी होगी अगुवाई और उठाने होंगे जनकल्याणकारी ठोस कदम

जब जब यह संसार सत्य की ओर से मुख फेरकर असत्य की दिशा में अग्रसर हुआ है, तब ऋषि मुनियों ने धर्म की विजय पताका फहराने हेतु शंखनाद किया है और आज इस संसार सागर को असत्य से बचाने के लिए पुनः ऐसे प्रयासों की आवश्यकता आन पड़ी है। आज हमारे देश में राजनीतिक दलों और संगठनों ने किस प्रकार से सनातन धर्म को हथियार बनाकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं और सनातन संस्कृति पर आघात पर आघात किए जा रहे हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। इस संसार सागर में सत्य को सदैव अपनी सत्यता का प्रमाण देने की आवश्यकता महसूस हुई और असत्य बरसाती नाले की भांति सीना चौड़ा कर समाज में असत्यता को स्थापित करने का प्रयास करते हुए अट्टहास करते नज़र आया लेकिन अंत में दुर्गति का शिकार हुआ और सत्य की विजय हुई। वर्तमान में सनातन धर्म का सामाजिक ह्रास देखने को मिल रहा है और इसके पीछे अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सोंची समझी साजिश है। धर्म रक्षा के इस यज्ञ में सनातनी धर्म गुरुओं और समस्त पीठों के शंकराचार्यों का आह्वान करते हुए कहा कि असत्य विजय प्राप्त करने के लिए आदि काल का अनुसरण करते हुए इस संसार के कल्याणार्थ चार पीठों के शंकराचार्यों को धर्म गुरुओं को धर्म संस्थापकों के रुप में मोर्चा खोलना होगा और सनातन धर्म और संस्कृति को देश में ही नहीं अपितु समूचे संसार में स्थापित करने के लिए प्रयास करने होंगे। सतयुग से लेकर त्रेता और द्वापर तक ऋषि मुनियों ने इस धरा को बुराइयों से बचाने के लिए अताताइयों के अत्याचार भी सहे और उनके सर्वनाश की नींव रखने का कार्य करते हुए धर्म की स्थापना और धर्म ध्वज फहराने की भी नींव स्थापित की और आज कलयुग में भी उस ऋषि परंपरा उसी तेजस्विता के साथ प्रारंभ किए जाने की आवश्यकता है, जिससे कि इस जगत में अधर्म को हराकर धर्म के स्थापना की जड़ें मजबूत की जा सकें। कभी किसी बॉलीवुड अभिनेता और अभिनेत्रियों के माध्यम से, कई फिल्मों के माध्यम से, तो कभी धर्म के नाम पर अपनी दुकान चलाने वालों को माध्यम बनाकर सनातन संस्कृति पर आघात करने के प्रयास किए गए, लेकिन सत्य को हराना मुश्किल है और अंत में सत्य की ही विजय होनी है लेकिन इसके लिए हमारे धर्म गुरुओं को कमान संभाल कर धर्म स्थापना की ओर अग्रसर होना चाहिए। वर्तमान राजनीतिक परिवेश में सनातन धर्म का मूल वर्ण व्यवस्था पर प्रहार किया जाना आज एक फैशन हो गया है, धर्म शास्त्रों पर पुनर्विचारण का वक्तव्य सनातन धर्म पर प्रहार है। इनका विरोध करना आवश्यक है। हिन्दू समाज केवल आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित पीठों के आचार्यों से अपेक्षा कर रही है। हिन्दूओं द्वारा निर्मित प्राचीन मठ मंदिरों पर सरकार का नियंत्रण हो चुका है। केवल प्राचीन धरोहर के रूप में ही कई देवालयों का उपयोग किया जा रहा है। धार्मिक मौलिकता सरकार ने समाप्त कर दिया है। मंदिरों में पुजारियों की नियुक्तियां सरकार द्वारा शास्त्रों के परंपरा के विपरीत किया जा रहा है। विदेशों में बसे हुए हिन्दुओं, उनके मंदिरों और स्थानों पर आक्रमण हो रहा है, इन सब बिंदुओं पर विचार किया जाना आवश्यक है। अधर्म के विरुद्ध आवाज बुलंद कर धर्म स्थापना के लिए समूचा हिंदू अपने धर्म आचार्यों की बाट जोह रहा है और इस पर जल्द ही शुरुआत किए जाने की आवश्यकता है, जिससे कि संसार का कल्याण हो सके।

जैतहरी जनपद वॉलीबॉल खेल मैदान की कराई गई स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई

यशपाल सिंह जाट | सिटी चीफ

जैतहरी, मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग ग्रामीण युवा केंद्र जैतहरी जिला अनूपपुर एवं जिला वालीबाल संघ अनूपपुर के सहयोग तथा जिले के कलेक्टर हर्षल पंचोली पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जिला अनूपपुर इसरार मंसूरी एसडीएम जैतहरी अंजलि द्विवेदी इन सभी वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश में एवं जिला वॉलीबॉल संघ अनूपपुर के चैतन्य मिश्रा के सहयोग से खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड समन्वयक ग्रामीण युवा केंद्र जैतहरी स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर द्वारा दिनांक 24 सितंबर 2024 को जनपद वॉलीबॉल ग्राउंड की साफ सफाई की गई जिला वालीबाल संघ के पदाधिकारी एवं खिलाड़ियों द्वारा वॉलीबॉल खेल मैदान की सफाई की गई स्वच्छता के क्षेत्र में इस प्रकार कार्यक्रम करवाने के लिए जिला व्हालीवाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने जिले के सभी व्हालीवाल खिलाडियो से यह अग्राह किया है। जिला व्हालीवाल के संरक्षक लक्ष्मण राव अरूण कुमार सिंह आशीष त्रिपाठी पंकज अग्रवाल , जिला वालीबाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ शिव सिंह रामखेलावन राठौर उपाध्यक्ष अमित शुक्ला शोभनाथ प्रचेता, विनोद सोनी ,रमेश तिवारी विनोद बिंदेश्वरी पान्डेय सचिव रामचन्द्र यादव कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव सह कोषाध्यक्ष उमेश राय , सहसचिव एवं स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर विकासखंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग विकासखंड जैतहरी दिनेश कुमार सिंह चंदेल, मिथलेश सिह नेताम ,श्रीमती सुमिता शर्मा हरिशंकर यादव सभी पदाधिकारियों के साथ आगे भी स्वच्छता के लिए कार्य करने व समाज को प्रेरित किया जायेगा । इस स्वच्छता कार्यक्रम में अजय मंडलोई सहायक ग्रेड 3 खेल एवं युवा कल्याण विभाग का पूर्ण सहयोग रहा है उपरोक्त समस्त जानकारी जिला वालीवाल संघ के मीडिया प्रभारी संदीप गर्ग ने देते हुए कहा कि स्वच्छता को आगे बढ़ाने के लिए जिला वालीबाल संघ के सभी पदाधिकारी हमेशा तत्पर रहेंगे ।

भोपाल - इंदौर बसों के अनाप-शनाप किराए पर मुख्यमंत्रीजी का चलेगा चाबुक

सांसद भारती पारधी ने विद्यार्थियों को दिया आश्वासन, ट्रेन के लिए होगा पूरा प्रयास

लकेश पंचेश्वर | सिटी चीफ ।

लालबर्रा, मंगलवार को भाजपा के सदस्यता अभियान के सिलसिले में लालबर्रा के अल्प प्रवास पर पहुंची बालाघाट-सिवनी की सांसद श्रीमती भारती पारधी से यहां विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की और विद्यार्थियों के अध्ययन में आने वाली दिक्कतों का जिक्र किया। विद्यार्थियों की ओर से मुख्य सचेतक डामेन्द्र धानेश्वर ने सांसद श्रीमती पारधी को अवगत कराया कि उच्चस्तरीय शिक्षा ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में बालाघाट के बच्चे भोपाल-इंदौर जाते है और इनके जाने का एकमात्र सीधा माध्यम बस है परन्तु इस मार्ग पर महज दो-तीन ट्रेव्हल्स का आधिपत्य होने से बस मालिकों ने भोपाल-इंदौर का किराया अनाप-शनाप बढ़ा दिया है। एक ही बस में टिकटों के मूल्य की कई प्रकार की कैटेगरी होती है जैसे-जैसे किसी बस की ऑनलाइन तरीके से सीट भरती जाती है वैसे ही स्वतः ही अगली खाली सीटों का रेट अपने-आप बढ़ते जाता है। बस मालिकों को विद्यार्थियों के हितों की बिलकुल भी चिन्ता नहीं है जबकि इस मार्ग पर इतनी सारी बसें विद्यार्थियों की वजह से ही चल पा रही है। त्यौहारों के सीजन में तो बसों का किराया आसमान छूने लगता है जिससे इच्छा होने के बावजूद भी विद्यार्थी घर नहीं लौट पाता है और मन मसोसकर रहा जाता है। अतः अनाप-शनाप बस किरायों पर रोक लगाने के साथ ही बालाघाट से भोपाल-इंदौर तक के लिए एक सायंकालीन ट्रेन भी चलाई जानी आवश्यक है। विद्यार्थियों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुनने के पश्चात् सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि बसों के बढ़े हुए किराए पर उन्होंने मुख्यमंत्री महोदय से चर्चा की है और उम्मीद है कि वे जल्द ही इस पर लगाम लगाने हेतु उचित कदम उठाएंगे, रही बात बालाघाट से भोपाल ट्रेन प्रारंभ करने की तो सांसद बनने के बाद मेरी पहली प्राथमिकता ही बालाघाट क्षेत्र में ट्रेनों की आवाजाही बढ़ाने पर है। शुरुआती प्रयास यह है कि बालाघाट में जो सिंगल रेलवे ट्रैक है उसे डबल करवाया जाए, इसके बाद बालाघाट से कनेक्टिविटी रखने वाली कई प्रकार की ट्रेनों का परिचालन संभव हो जाएगा। सांसद पारधी ने विद्यार्थियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि ट्रेनों के विकास हेतु यदि उन्हें धरना-प्रदर्शन भी करना पड़ा तो वे उससे पीछे नहीं हटेगी।

लालबर्रा में अवश्य बनेगी लायब्रेरी

विद्यार्थियों ने सांसद श्रीमती पारधी को यह भी अवगत कराया कि लालबर्रा में बड़े पैमाने पर बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते है, अतः इनके सुगम अध्ययन हेतु लगभग 300 विद्यार्थियों की क्षमता वाली एक केन्द्रीयकृत लायब्रेरी का होना अत्यावश्यक है। जिस पर श्रीमती पारधी ने कहा कि लायब्रेरी की स्थापना हेतु वे अवश्य पूरा योगदान करेंगी परन्तु पहले स्थान चयन आवश्यक है। यदि स्थानीय महाविद्यालय में लायब्रेरी स्थापित की जाएगी तो बाहर के बच्चों का वहां पर अध्ययन शायद संभव नहीं हो पाएगा, अतः महाविद्यालय की परिधि से बाहर लालबर्रा में अन्यत्र स्थान पर लायब्रेरी चालू किया जाना श्रेयस्कर है। उन्होंने स्थानीय एजूकेटर डामेन्द्र धानेश्वर को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि आप एसडीएम एवं तहसीलदार महोदय आदि से मिलकर स्थान चयन करें और आगे की कार्यवाही मुझ पर छोड़ दें। स्थानीय स्तर पर शिक्षा का विकास मेरा दूसरा सर्वप्रमुख एजेन्डा है।

इंटर सिटी एक्सप्रेस से गिरा युवक हुई मौत

आउटर में खड़े बदमाशों ने मोबाइल छीना, हाथ खिंचने से ट्रेन के नीचे आया

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, रीवा से जबलपुर तक जाने वाली इंटर सिटी एक्सप्रेस में सतना से जबलपुर की यात्रा कर रहे एक युवक से कटनी रेलवे स्टेशन के आउटर में बदमाशों में मोबाइल छीनने की वारदात को अंजाम दिया है। मोबाइल छीनने के दौरान युवक का हाथ खींचे जाने से वह नीचे गिर गया और ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। युवक के साथ यात्रा कर रहे सतना के कुदहरी गांव निवासी मानेन्द्र पिता बाबूलाल कुशवाहा (20) ने बताया कि वह सतना जिले के गणेशपुर क्षेत्र निवासी अपनी मौसी के बेटे सचिन पिता सोमनाथ कुशवाहा (18) के साथ सतना से जबलपुर तक की यात्रा के लिए इंटर सिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच में यात्रा कर रहे थे। इंटर सिटी एक्सप्रेस में भीड़ अधिक होने के कारण सचिन ट्रेन के दरवाजे के पास बैठा था, कटनी स्टेशन पहुंचने के बाद जैसे ही इंटर सिटी एक्सप्रेस कटनी स्टेशन से जबलपुर की ओर रवाना हुई, तभी आउटर में चलती ट्रेन में उसके भाई सचिन से करीब पांच युवकों ने मोबाइल छीनने के लिए उसका हाथ पकड़कर खींच दिया। जिसके कारण सचिन मोबाइल सहित नीचे गिर गया और ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। हादसा होने के बाद मोबाइल लूटने वाले युवक मोबाइल को रेल ट्रेन में ही छोड़कर भाग गए। मानेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि घटना के बाद उसने ट्रेन की चैन खींचकर ट्रेन को रोका और फिर वह वहीं उतर गया। हादसे की सूचना एंबुलेंस को दी। जिसके बाद मृत हो चुके भाई को वह जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। सूचना पर जीआरपी पुलिस जिला अस्पताल पहुंची। जहां पर जीआरपी ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मानेन्द्र कुशवाहा ने बताया जब वह ट्रेन से उतरा था तो उसने अपना बैग भी उतारा था, जो रेलवे ट्रैक पर ही छूट गए। बैग को भी अज्ञात चोर लेकर भाग गए हैं। उसने बताया कि बैग में खाने की सामग्री थी। वहीं इस पूरे मामले में जीआरपी थाना प्रभारी एलपी कश्यप ने बताया कि ट्रेन से गिरने से एक युवक की मौत हो गई है। मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

स्लीमनाबाद शराब कांड में आया नया मोड़

शराब ठेकेदार के पुत्रों पर आरोप लगाने वाले आदिवासी युवक ने मारपीट से किया इंकार

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक आदिवासी युवक के साथ शराब ठेकेदार के पुत्रों द्वारा की गई मारपीट के मामले में नया मोड़ आ गया है। दो दिन पहले अपने साथ अपहरण, बंधक बनाने और मारपीट का आरोप लगाने वाले आदिवासी युवक सुनील सिंह पिता कल्याण सिंह ठाकुर ने कल शाम पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शपथ पत्र के माध्यम से अपने साथ इस तरह की किसी भी घटना से इंकार किया। उसका कहना था कि उसने अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन कर लिया था। शराब पीने के बाद वह होश में नहीं था। जिसका फायदा उठाते हुए शराब ठेकेदार दिगपाल जायसवाल के कहने पर उसने अजाक थाने में अक्षय गुल्ली असाटी एवं राजुल असाटी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। एसपी ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेवरी निवासी सुनील सिंह पिता कल्याण सिंह ठाकुर ने कहा कि नशे की हालत में में गिर गया था, जिससे चोटें आई हैं। उसने यह भी बताया कि वह जिस कलारी में काम करता है, वह दिगपाल जायसवाल की है। नशे की हालत में शराब ठेकेदार और उसके कर्मचारी उसे रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए ले गए। आदिवासी युवक के इस बयान के बाद अब यह देखना है कि पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है।

हाईवा ट्रक ने ऑटो को कुचला

भीषण सड़क हादसे में सात की मौत, तीन जबलपुर रेफर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।
दमोह, जिले के प्रभारी मंत्री रामनिवास रावत ने शोकाकुल परिजनों के प्रति शोक संवेदनाएं की व्यक्त, प्रदेश के वनमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री रामनिवास रावत ने कहा दमोह जिले में दमोह-कटनी हाईवे पर ट्रक और ऑटो के भीषण हादसे में 7 लोगों की दुखद मृत्यु होने के समाचार से व्यथित हूँ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस भीषड़ हादसे में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं, मैं भी लगातार जिला प्रशासन के संपर्क में हूँ। उन्होंने कहा मैं ईश्वर से प्राथना करता हूँ दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति दें। राज्यमंत्री लखन पटैल ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने समन्ना के पास कटनी मार्ग पर हुई दुर्घटना में मृतकों के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुये कहा प्रभु से कामना करता हूं कि दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति दें और शासन के द्वारा जो भी मदद हो सकती है की जाएगी। राज्यमंत्री लखन पटैल ने कहा कलेक्टर दमोह द्वारा बताया गया कि एक बहुत हृदय विदारक घटना समन्ना के पास हुई है, इसमें ट्रक और ऑटोरिक्शा की भिडंत हुई है, जिसमें एक ही परिवार और रिश्ते के 10 लोग सवार थे, जिनमें से सात लोगों की अकाल मृत्यु हो गई है और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिनको जबलपुर रेफर किया गया है। यह बड़ी दुखद घटना है।

सांसद राहुल सिंह पहुंचे जिला अस्पताल दुर्घटना की ली जानकारी शोक संवेदनाएं व्यक्त की समन्ना के पास कटनी मार्ग पर हुई दुर्घटना की जानकारी लगते ही सांसद राहुल सिंह लोधी जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों तथा मृतकों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने इस घटना पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की और परिवार जन को दुख सहन करने की परमात्मा से प्रार्थना की।

सांसद राहुल सिंह ने कहा मुख्यमंत्री के पास मिनट-टू-मिनट खबर है। कलेक्टर जबलपुर एवं कलेक्टर दमोह दोनों प्रॉपर कोऑर्डिनेशन में है, जो लोग सीरीयश अवस्था में है उन्हें तीन एम्बुलेंसों और पायलट गाड़ी के माध्यम से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जबलपुर के लिए रेफर किया है, वहां मेडिकल कॉलेज में डीन से बात हो गई है, घायल जैसे ही पहुंचेंगे तत्काल इनका इलाज वहां पर प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने कहा समय-समय पर जब ट्राफिक पुलिस सख्ती से ट्रैफिक के रूल्स फॉलो करने के लिए बोलती है और अलग-अलग स्थान पर जब जांच करती है, उसमें हम सभी को सहयोग करना चाहिये, संयम में होकर गाड़ी चलाएं। आज की घटना से मन दुखी भी है मन घबराया हुआ भी है इस प्रकार के एक्सीडेंट भी अब दमोह में होने लगे हैं। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुये कहा ट्रैफिक के नियमों का पालन किया जाना चाहिये।

पूर्व वित्तमंत्री एवं विधायक जयंत मलैया ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने समन्ना के पास कटनी मार्ग पर हुई दुर्घटना में मृतकों के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुये कहा परमपिता परमेश्वर से यही कामना है की ऐसी दुखद घड़ी में उनके सभी परिवार वालों, शुभचिंतकों और मुहल्ले वालों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। जहां तक हम लोगों से कोशिश हो सकेगी शासन की जो भी मदद बन सकेगी, उससे परिवार की मदद को करने की कोशिश की जायेगी।

कमिश्नर सागर और आईजी पहुंचे जिला अस्पताल घटना स्थल का लिया जायजा जिले के ग्राम समन्ना के पास कटनी मार्ग पर हुई दुर्घटना की जानकारी मिलते ही कमिश्नर सागर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने आई जी पुलिस प्रमोद कुमार वर्मा के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर एवं पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी से दुर्घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने घटना स्थल का भी जायजा लिया। इस अवसर पर एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा, एसडीएम आरएल बागरी, सीएसपी अभिषेक तिवारी मौजूद थे। कमिश्नर डॉ वीरेन्द्र सिंह रावत ने बताया ऑटो रिक्शा से बांदकपुर दर्शन से वापस आ रहे थे ट्रक से आमने-सामने का एक्सीडेंट हुआ है, जिसमें 7 लोगों की मृत्यु हो चुकी है और जो घायल थे उनको जबलपुर भिजवाया गया है, बाकी व्यवस्था के लिए प्रशासन को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने बताया ट्रक ड्राइवर पकड़ गया है, ब्लॅड सैंपलिंग के बाद यदि वाइन का रिपोर्ट में आता है तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई कानून के अनुसार की जायेगी। मुख्यमंत्री जी को इस विषय की पूरी जानकारी दे दी गई है । उन्होंने कहा सड़क दुर्घटना में जिन 07 लोगों की जान गई है प्रभु उनको अपने चरणों में स्थान दे। इस घटना के बाद इसके पहले भी और आगे भी तय करेंगे की ट्रैफिक व्यवस्था और टाइट हो। आई.जी. सागर प्रमोद कुमार वर्मा ने बताया टेंपो के एक्सीडेंट से 07 लोगों की मृत्यु हुई है, तीन घायलों को यहां से तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहां के पुलिस अधिकारियों से चर्चा की है। उन्होंने कहा घटनाक्रम की परिस्थितियों को समझ रहे हैं, उसमें जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कुठला पुलिस की सघन वाहन चैकिंग

लोगों से भरी पिक-अप पर की कार्यवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अभिजीत कुमार रंजन के आदेशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉंक्टर संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमति ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में यातायात नियमों का पालन न करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था जिसमें कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे के नेतृत्व में कुठला क्षेत्रान्तर्गत पन्ना तिराहा के पास सघन वाहन चैकिंग की जाकर यातायात संकेतो का उल्लंघन करने पर 10 वाहन चालको के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की जाकर 5000/- समन शुल्क प्राप्त किया गया । वाहन चैकिंग के दौरान पिक अप वाहन क्रमांक MP38G1147 को रोककर चैक किया गया जिसमें चालक द्वारा माल वाहक वाहन में काफी संख्या में पुरुष महिलाओं एवं बच्चो को भरकर ले जा रहा था जिसमें कुल 48 लोग पाये गये । उक्त वाहन को जप्त कर वाहन को जप्त किया गया है और एमवी ऐक्ट के तहत विरुद्ध कार्यवाही की गई है ।थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक चौबे ने बताया कि हमारा उद्देश्य आम जनता की यात्रा को बाधित कर के लोगों को परेशान करने का नही है, बल्कि कुठला पुलिस वाहन मालिकों से अपील करती है कि माल वाहक वाहनों में यात्रियों को ना बैठाये और हम लोगो को यह संदेश देने चाहते है यदि ऐसा करते पाये जाते है तो वैधानिक कार्यवाही की जावेगी । कुठला पुलिस की कार्यवाही से क्षेत्र की जनता ने कुठला पुलिस की इस कार्यवाही की सराहना की है।

थाना मैहर में पदस्थ पुलिस कर्मी की दर्दनाक हादसे में हुई मौत

पुलिस विभाग द्वारा दी गई एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
मैहर, कोतवाली थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक तिलक राज सिंह शासकीय कार्य से उचेहरा जा रहे थे उसी दरमियान अज्ञात वाहन की ठोकर ने उन्हें घायल कर दिया जिसमें उन्हें हॉस्पिटल ले जाने के बाद डॉक्टरों ने मृत् घोषित कर दिया ऐसी मुश्किल घड़ी में पुलिस विभाग उनकी पूरी मदत में लगा हुआ है जिसमे जानकारी देते हुए अतरिक्त पुलिश अधीक्षक मुकेश वैश्य द्वारा बताया गया कि उनके परिजनों को पुलिश विभाग द्वारा एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है और पी एम उपरांत उनका शव को थाना परिषर में राजकीय सम्मान के साथ सलामी दी एवं मैहर थाना प्रभारी पूरे पुलिस बल स्टाफ के साथ श्रद्धांजलि दी गई उपरांत उनका शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिया गया है। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री वैस ने कहा कि पुलिस विभाग उनके परिवार की मदद के लिए हर समय तत्पर रहेगा।इस अत्यंत दुखद घड़ी में उन्होंने उनके परिवार को ढाढ़स बधाते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से कामना की है।

विशेष ग्राम सभा की बैठक मे दिलाई गयी नशा मुक्त चितहरा की शपथ

नशे मे संलिप्त व्यक्ति को नहीं मिलेगा शासन की योजनाओं का लाभ!

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ।
सतना, जनपद पंचायत मझगवां अंतर्गत ग्राम पंचायत चितहरा मे आज विशेष ग्राम सभा की बैठक का आयोजन करवाया गया जिसमे मुख्य रूप से ग्राम पंचायत चितहरा की सरपंच प्रज्ञा भैया जी मिश्रा के साथ ग्राम सचिव, रोजगार सहायक, उपसरपंच एवं पंचो सहित समस्त ग्राम वासियो की उपस्थिति रही।पंचायत के नोडल अधिकारी के रूप मे पटवारी रामनरेश पटेल रहे। इस विशेष ग्राम सभा का आयोजन प्रधानमंत्री आवास योजना (आवास प्लस) मे लाभान्वित हुए हितग्राहियो के की सूची को सार्वजनिक कर ग्राम सभा के सदस्यों की उपस्थिति मे पात्रता एवं अपात्रता सिद्ध कर ग्राम सभा की कारवाही मे दर्ज करना था जिसमे 22 आदिवासी पात्र व्यक्तियों की उपस्थिति दर्ज की गयी।

सरपंच ने दिलवाई नशा न करने की शपथ! ग्रामसभा की बैठक उपरांत सरपंच प्रज्ञा भैया जी ने सभी ग्राम वासियो से नशा न करने की अपील की साथ ही शपथ दिलाई की कोई भी ग्राम वासी न नशा करेगा और नशा करने वालो को रोकेगा.सरपंच ने ग्राम सभा की अगली बैठक होने पर समस्त सदस्यों की सहमति पर नशा करने वाले व्यक्ति को शाशकीय योजनाओं के लाभ से वंचित रखे जाने की कारवाही दर्ज कर जिला पंचायत सतना से मंजूरी के प्रस्ताव की भी बात कही।सरपंच प्रज्ञा भैया जी कहती हैँ की हमें हमारी ग्राम पंचायत को आदर्श बनाना है जिसमे नशा मुक्त ग्राम होना बेहद महत्व पूर्ण कदम होगा।

सरपंच-सचिव ने लगाया झाड़ू! ग्राम सभा की बैठक के बाद सरपंच चितहरा एवं सचिव सहित सभी उपस्थित लोगो ने ग्राम पंचायत कार्यालय के बाहर का कचड़ा साफ किया साथ ही ग्राम पंचायत प्रांगड़ मे झाड़ू लगा कर स्वछता का सन्देश भी प्रेसित किया। सरपंच ने उपस्थित लोगो से ग्राम पंचायत को स्वच्छ बनाये रखने की शपथ दिलवाई।

आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के छह वर्ष पूर्ण होने पर नगर के सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया

इस अवसर पर अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में प्रदर्शनी भी लगाई गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर । देवबंद, केंद्र सरकार की प्रमुख योजना में शामिल आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के छह वर्ष पूर्ण होने पर नगर के सरकारी अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में प्रदर्शनी भी लगाई गई। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित हुए शिविर का उद्घाटन राज्यमंत्री बृजेश सिंह ने करते हुए कहा कि आयुष्मान योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 23 सितंबर 2018 को शुरू की गई थी। सरकार की इस योजना के तहत प्रत्येक लाभार्थी को 5 लाख रूपये तक का निःशुल्क उपचार दिया जाता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में सरकार ने 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो को इस योजना में शामिल किया है जो बेहद सराहनीय है।सीएमओ डा. प्रवीण कुमार ने कहा कि 30 सितंबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा शिविर में 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं की निःशुल्क जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि पखवाड़े के तहत आपके द्वार, आयुष्मान चौपाल, आयुष्मान सभा, आयुष्मान भारत साइकिल और बाइक यात्रा आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में सीएचसी के अधीक्षक डा. अजय कुमार त्यागी, डा. रियंका चौधरी, पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग, डा. सुखपाल सिंह, भाजपा नगराध्यक्ष अरुण गुप्ता, सेठ कुलदीप छाबड़ा, राजन छाबड़ा, सोनित कश्यप, यशवंत राणा, राहुल वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को भाकियू अराजनैतिक के किसानों ने की पंचायत

समस्याओं के समाधान को सात सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
देवबंद (सहारनपुर), किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को भाकियू अराजनैतिक के किसानों ने एसडीएम कार्यालय परिसर में पंचायत का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने समस्याओं के समाधान को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मंडल अध्यक्ष शेरपाल सिंह, जिलाध्यक्ष चौ. सुदेशपाल और प्रदेश उपाध्यक्ष जगपाल सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान एसडीएम कार्यालय परिसर में एकत्र होकर पंचायत का आयोजन किया। इस दौरान किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को विचार-विमर्श किया। पंचायत के बाद एसडीएम को दिए ज्ञापन में गन्ने का मूल्य 500 रुपये कुंतल किए जाने की मांग की गई। साथ ही बिजली अधिकारियों द्वारा किसानों को अनावश्यक रुप से परेशान करने पर रोष व्यक्त किया गया। ज्ञापन में ग्राम पंचायतों में पेयजल की व्यवस्था को लगाई जा रही पानी की टंकियों के चलते तोड़ी गई सीसी रोड को तुरंत ठीक कराए जाने की मांग की गई। साथ ही खतौनियों में हो रही त्रूटियों को दूर करने के लिए शिविर लगाए जाने की मांग की गई। सीएचसी में उपचार के लिए चिकित्सकों की कमी दूर कराए जाने एवं दाखिल खारिज कराए जाने के नाम पर किसानों का हो रहे शोषण को बंद कराए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में राशन कार्ड बनाए जाने में तेजी लाए जाने की मांग भी की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

राम जानकी लीला मंचन समिति देवबंद के तत्वधान में परंपरागत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामलीला का मुख्य पूजन किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । देवबंद (सहारनपुर), श्री राम जानकी लीला मंचन समिति देवबंद के तत्वधान में परंपरागत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामलीला का मुख्य पूजन कार्यक्रम दुर्गा कॉलोनी, रेलवे रोड पर आयोजित किया गया। रिहर्सल का उद्घाटन कुलदीप छाबड़ा वरिष्ठ समाजसेवी द्वारा किया गया, धर्म ध्वज की स्थापना विपिन गर्ग चेयरमैन नगर पालिका परिषद देवबंद द्वारा की गई, भूमि पूजन अशोक गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार द्वारा किया गया, अतिथियों को समस्त कमेटी के पदाधिकारियों ने पटका पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर समानित किया। इस अवसर पर कुलदीप सेठ ने कहा भगवान श्री राम हमारे प्रेरणा श्रोत है। हम सभी को हमेशा उनके आदर्शों पर चलना चाहिए। अशोक गुप्ता ने कहा हम सभी को भगवान श्री राम के आचरण पर चलकर अपना जीवन व्यतीत करना चाहिए। इस पुनीत अवसर पर श्री राम जानकी लीला मंचन समिति देवबंद के समस्त पदाधिकारी व सदस्य गण एवं बड़ी संख्या में श्रीराम भक्त उपस्थित रहे।

स्कूली वाहन पलटने की घटना को लेकर एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, स्कूली वाहन पलटने की घटना को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को एबीवीपी कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और यहां एसडीएम मनीषा वास्कले को ज्ञापन सौंपकर बताया कि पनवाड़ी के निजी स्कूल की बस ग्राम दुधाना में पलट गई थी। इस घटना में विद्यार्थी घायल हो गए थे और एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। मामले में परिवहन अधिकारी को कई बार फोन किए लेकिन उन्होने फोन नही उठाए। ज्ञापन में बताया कि जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण स्कूली वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं निरंतर बढ़ती जा रही हैं। वहीं ज्ञापन में बताया कि घायल बच्चों का इलाज कराने पहुंचे परिजनों के साथ अस्पताल की महिला सुरक्षागार्ड के द्वारा मारपीट की गई। मामले में प्रशासन ने कोई कार्रवाई नही की। ज्ञापन में यातायात पुलिस, जिला अस्पताल प्रबंधन, जिला चिकित्सा अधिकारी एवं निजी स्कूल प्रबंधन पर गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

कन्या महाविद्यालय में ली गई स्वच्छता की शपथ

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, स्थानीय किला परिसर स्थित शासकीय कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना का 55वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान मेरे भारत के युवा एवं डिजीटल साक्षरता के लिए युवा थीम पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ पी मूंदड़ा की अध्यक्षता में किया गया। रासेयो प्रभारी नीतेश गुप्ता ने राष्ट्रीय सेवा योजना के संबंध में छात्राओं को जानकारी दी। इसके पश्चात स्वच्छता ही सेवा 2024 पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत साफ-सफाई विषय पर व्याख्यान, परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई एवं महाविद्यालय परिसर में श्रमदान किया गया। इस अवसर पर जेपी माथुर, अनिल नागर, महेश पाटीदार, नरेन्द्र भाटी, आदित्य सक्सेना, दीपिका गुप्ता, डॉ संदीपकुमारसिंह, डॉ ऋचा सक्सेना, डॉ रितेश, विजयसिंह विश्वकर्मा, शंकरलाल कुशवाह सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

शाजापुर में जनसुनवाई में 105 आवेदन प्राप्त

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर। मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 105 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई कलेक्टर ऋजु बाफना ने की। इस मौके पर अपर कलेक्टर भुरलासिंह सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, संयुक्त कलेक्टर सत्येन्द्रप्रसादसिंह, अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्कले एवं डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलदर ने भी जनसुनवाई में उपस्थित आवेदकों की समस्याएं सुनी। इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

आमजन के स्वास्थ्य के साथ न हो लापरवाही - डीएम मनीष बंसल

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की हुई बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक आहूत की गई। उन्होंने सभी खाद्य अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि अपनी कार्यशैली में सुधार लाते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी दुकानदार अथवा व्यापारी का अनावश्यक रूप से उत्पीड़न न हो साथ ही मिलावटखोरों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत अभियान चलाकर मिष्ठान के साथ ही अन्य खाद्य पदार्थों की जांच की जाए। इसके तहत आमजनमानस में विश्वसनीय प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से चैकिंग कराई जाए। खाद्य पदार्थों के तहत विविध पदार्थों के सैम्पल संग्रह किए जाएं। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तत्संबंधी नियमवाली 2011 के प्रावधानों के अंतर्गत आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थो की उपलब्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि होटलों की रसोई चेक कर साफ-सफाई सुनिश्चित कराएं। आमजनमानस के साथ ही छोटे दुकानदारों को भी मिलावटी खाद्य पदार्थों से स्वास्थ्य पर पडने वाले प्रतिकूल प्रभाव से अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि मिलावटी खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थो पर प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। माननीय न्यायालय में लंबित वादों की प्रभावी पैरवी कर मामलों का निस्तारण किया जाए। जुर्माने की राशि को समय से वसूल किया जाए। खाद्य कारोबार करने के लिए खाद्य लाईसेंस, पंजीकरण अनिवार्य है इसलिए सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को लाईसेंस एवं पंजीकरण से आच्छादित किया जाए। खाद्य कारोबारकर्ता को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के बारे में कैम्पों एवं नियमित निरीक्षणों के माध्यम से जागरूक किया जाए। सभी पंजीकृत दुकानों पर 1076 हैल्पलाईन नम्बर चस्पा किया जाए जिससे खाद्य पदार्थों में शिकायत होने पर कोई भी आमजन शिकायत दर्ज करा सके। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि खाद्य कारोबारकर्ताओं एवं निर्माता को fortified food (milk, oil, rice, aata, salt) के बारे में जागरूक कर अनुपालन कराना सुनिश्चित करें। Fssai द्वारा निर्धारित प्रोग्राम Dom Apperatus के माध्यम से Re Used Cooking Oil की मौके पर जांच की जाए। Fssai द्वारा निर्धारित प्रोग्राम Ruco (Re used cooking oil) कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा तीन बार प्रयोग किये गये तेल के बचे अंश को बायोडीजल कम्पनी को देने के प्रावधान का क्रियान्वयन किया जाएं। मिड-डे-मील योजना के तहत बन रहे भोजन के समय-समय पर नमूना लिया जाए। पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम के तहत आई0सी0डी0एस0 द्वारा वितरित की जा रही खाद्य सामग्री का समय- समय पर विभाग द्वारा सर्वे नमूना की कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय पवन कुमार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दवाओं के विक्रय में अनियमित्ता पर मेडीकल स्टोर का लायसेंस निलंबित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर। जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा दवाओं के विक्रय में अनियमित्ता एवं दवा के नशे के रूप में उपयोग की संभावना को देखते हुए शुजालपुर के सरस्वती मेडीकल स्टोर का लायसेंस 12 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन औषधि निरीक्षण अधिकारी ने बताया कि जिले में दवाओं के विक्रय में सतत् निगरानी एवं नशीली दवाओं के विक्रय की रोकथाम के लिए विगत 20 सितम्बर 2024 को शुजालपुर के वार्ड क्रमांक 24 रेलवे स्टेशन के पास फ्रीगंज के मैसर्स सरस्वती मेडीकल स्टोर का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान दवाओं के विक्रय बिल में अनियमित्ता, अवसान तिथि की दवा के पाया जाने, शेड्यूल एच 1 दवा के विक्रय में अनियमित्ता एवं शीत संग्राहक औषधियों के उचित तापमान पर संधारित्र नही करना पाया गया। संचालक के द्वारा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 का उल्लंघन करने पर मेडीकल स्टोर का लायसेंस 12 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। इसके साथ ही एविल फेनिरामाइन के विक्रय में अनियमित्ता एवं नशे की रूप में उपयोग की संभावना को देखते हुए उक्त औषधि के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है।

ब्रेक फेल होने से ट्रक ने मचाया कोहराम

कई वाहन कर दिए चकनाचूर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर लुढक़े ट्रक ने क्षेत्र में जमकर कोहराम मचाया और इस दौरान रोड किनारे खड़े एक दर्जन से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। जबकि वैल्डिंग कारखाने के बाहर रखी पलंग पेटियां चकनाचूर हो गईं। वहीं घटना में एक पालतू कुत्ते की भी मौत हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह हाट मैदान रोड पर ट्रक बंसी टॉकिज की घाटी चढ़ रहा था, तभी उसके ब्रेक फेल हो गए और ट्रक अनियंत्रित होकर तेजी से रिवर्स में लुढक़ने लगा। इस दौरान रोड किनारे खड़े करीब चार ऑटो रिक्शा, एक लोडिंग वाहन, छह बाइक और वैल्डिंग कारखाने के बाहर रखी लोहे की पलंग पेटियां नष्ट हो गईं। ट्रक के अनियंत्रित होकर तेजगति से लुढक़ने पर लोग अपनी जान बचाकर इधर-उधर भागते नजर आए। वहीं सूचना मिलने पर यातायात पुलिस भी मौके पर पहुंची। स्थानीय दुकानदार और रहवासियों ने पुलिस को बताया कि क्षेत्र में प्रतिदिन ऑवरलोड वाहन आते हैं जिसकी वजह से हमेशा हादसे का अंदेशा बना रहता है। सुबह के समय भी ट्रक के अनियंत्रित होने से भारी नुकसान हुआ है। हालांकि गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नही हुई। रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में दिनभर आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में बड़े ऑवरलोड वाहनों की रोकथाम को लेकर कार्रवाई की जानी चाहिए। यातायात पुलिस ने समस्या के समाधान की बात कही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की 55वीं स्थापना वर्षगांठ पर बीकेएसएन कालेज में हुए विभिन्न कार्यक्रम

विद्यार्थियों को मिला पुरस्कार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, राष्ट्रीय सेवा योजना की 55वीं स्थापना वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों तथा प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने सरस्वती वन्दना, रासेयो लक्ष्यगीत के साथ ही रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा रहे। इस दौरान उन्होने कहा कि रासेयो इकाई सदैव मेरी प्रिय रही है, मैं स्वयंसेवकों कि प्रतिभा को उच्चतम शिखर पर पहुंचाने के लिए उनका सहयोगी रहूंगा। जनभागीदारी समिति राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। वहीं अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बीएस विभूति ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए रासेयो स्थापना दिवस कि शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि विद्यार्थियों में सांस्कृतिक प्रतिभा होना महत्वपूर्ण है। रासेयो इकाई कार्यक्रम एवं जिला संगठक अधिकारी प्रो दुष्यंतकुमार यादव ने इस वर्ष की एनएसएस की थीम भारत के लिए युवा एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा विषय पर स्वयंसेवकों को बताया तथा स्वयंसेवकों को मय भारत पोर्टल पर पंजीयन करने के लिए प्रेरित किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां नेहा शर्मा, रीना पंवार, भवानीसिंह, निशा परमार, मोना सौराष्ट्रीय, सपना मालवीय, इसराईल खां, गोविंद गोस्वामी, पवित्रा राठौर द्वारा दी गई। कार्यक्रम के अंतिम चरण में पुरस्कार वितरित किए गए, जिसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय की रासेयो इकाई के चार स्वयंसेवकों को विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए प्रमाण प्रत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर रासेयो इकाई दलनायक रविकुमार को उत्कृष्ट समूह नेतृत्व, पवन पूरी को इकाई मीडिया प्रभारी का उत्कृष्ट पुरस्कार तथा मां राजराजेश्वरी मेले में सुरक्षा सेवा प्रदान करने वाले चौबीस स्वयंसेवकों, राज्य स्तर शिविर सहभागिता हेतु भवानीसिंह, नेहा मालवीय एवं राष्ट्रीय स्तर शिविर सहभागिता हेतु लक्ष्मी पुष्पद, हर्षिता पाटीदार, अभिषेक भिलाला को सम्मानित किया गया। रासेयो इकाई की दैनिक गतिविधियों के सक्रिय स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम लगाए गए। संचालन रासेयो पर्यावरण प्रभारी लक्ष्मी पुष्पद तथा रासेयो स्वास्थ्य प्रभारी विकास गिरी ने किया।

न्यूयॉर्क में यूएन के 'समिट ऑफ फ्यूचर' में बोले पीएम- सफलता युद्ध में नहीं बल्कि एकता में है...

यूएन में पीएम मोदी ने दुनिया को दिया शांति और विकास का नया मंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूएन में दुनिया को शांति और विकास का नया मंत्र दिया। उन्होंने न्यूयॉर्क में यूएन के 'समिट ऑफ फ्यूचर' में कहा कि हमारी सामूहिक ताकत में ही सफलता छिपी है ना कि युद्ध के मैदान में। वैश्विक शांति और विकास के लिए ग्लोबल संस्थानों में रिफॉर्म्स जरुरी हैं। रिफॉर्म ही रिलिवेंस की चाबी है। उन्होंने कहा कि अफ्रीकन यूनियन को नई दिल्ली में हुई जी-20 समिट में स्थाई सदस्यता इसी दिशा में एक अहम कदम था।

मोदी ने कहा कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक तरफ वैश्विक आतंकवाद जैसा खतरा है तो दूसरी तरफ साइबर, मेरीटाइम, स्पेस जैसे अनेक संघर्ष के नए मैदान बन रहे हैं। इन सभी विषयों पर ग्लोबल एक्शन को ग्लोबल एंबिशन के हिसाब से होना चाहिए। टेक्नॉलजी के सेफ और संतुलित इस्तेमाल के लिए रेगुलेशन की आवश्यता है। मोदी ने कहा कि हमें ऐसी ग्लोबल डिजिटल गर्वनेंस चाहिए जिससे राष्ट्रीय प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रहे। ग्लोबल गुड के लिए भारत अपना डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पूरे विश्व से साझा करने के लिए तैयार है। भारत के लिए वन अर्थ वन फैमिली वन फ्यूचर एक कमिटमेंट है। पूरी मानवता के हितों की रक्षा और वैश्विक समृद्धि के लिए भारत मन वचन कर्म से काम करता रहेगा। पीएम मोदी ने कहा कि जून में अभी-अभी मानव इतिहास के सबसे बड़े चुनाव में भारत के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार सेवा का अवसर दिया है और मैं यहां मानवता के छठे हिस्से की आवाज आप तक पहुंचाने आया हूं।

भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का हरसंभव प्रयास - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन दिनों के अमेरिका दौरे पर दूसरे दिन रविवार को आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के सीईओके साथ सार्थक गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान भारत में विकास की संभावनाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक में अक, क्वॉन्टम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी बेहद आधुनिक टेक्नॉलजी पर काम करने वाली अमेरिका की 15 प्रमुख कंपनियों के सीईओने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कंपनियों को सहयोग और इनोवेशन के मामले में भारत की विकास गाथा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

गूगल ने की फंड की घोषणा

पीएम मोदी के साथ सीईओकी गोलमेज बैठक में गूगल के सुंदर पिचाई ने कहा कि हम भारत में एआई में मजबूती से निवेश कर रहे हैं। पिचाई ने 120 मिलियन डॉलर के ग्लोबल एआई ऑपर्च्युनिटी फंड की घोषणा की। ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा से एआई, भारत के लिए इसकी क्षमता और अवसरों के बारे में जानने के इच्छुक रहे हैं।

यूक्रेन में संघर्ष के जल्द समाधान के समर्थन पर भारत कायम

न्यूयॉर्क में मोदी से मुलाकात के बाद जेलेंस्की ने जताया आभार

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को न्यूयॉर्क में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान पीएम मोदी ने यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र समाधान, क्षेत्र में शांति और स्थिरता की बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। इसके अलावा, पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' के दौरान आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान और वियतनाम के राष्ट्रपति टो लैम से भी मुलाकात की। मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात हुई। हम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए पिछले महीने यूक्रेन की अपनी यात्रा के परिणामों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र समाधान और शांति और स्थिरता की बहाली के लिए भारत का समर्थन दोहराया। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ट्वीट कर लिखा कि, यह इस साल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तीसरी द्विपक्षीय बैठक है। हम सक्रिय रूप से अपने संबंधों को विकसित कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमारी बातचीत का मुख्य फोकस अंतरराष्ट्रीय मंचों, खासकर संयुक्त राष्ट्र और जी20 में हमारी बातचीत को बढ़ाने के साथ-साथ शांति सूत्र को लागू करना और दूसरे शांति शिखर सम्मेलन की तैयारी पर था। हमने उपलब्ध अवसरों पर एक ठोस चर्चा की। मैं हमारी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के स्पष्ट समर्थन के लिए आपका आभारी हूं।

दोनों नेता निकट संपर्क में रहने पर भी सहमत विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक विशेष ब्रीफिंग के दौरान कहा कि बैठक के दौरान, जेलेंस्की ने यूक्रेन में संघर्ष पर भारत के ध्यान की सराहना की और इससे बाहर निकलने के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। मिस्री ने कहा कि दोनों नेता निकट संपर्क में रहने पर भी सहमत हुए। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक अकाउंट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज न्यूयॉर्क में यूएनजीए से इतर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की। नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने यूक्रेन की स्थिति पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन की तलाश में रचनात्मक भूमिका निभाने की भारत की इच्छा दोहराई।

आर्मेनिया के पीएम निकोल से मुलाकात को बताया अद्भुत- यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के अलावा पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में आर्मेनिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात कर खुशी जाहिर की और इस मुलाकात को अद्भुत बताया। इसके बाद पीएम मोदी ने एक्स पर कहा, आज संयुक्त राष्ट्र में भविष्य के शिखर सम्मेलन के मौके पर आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पशिन्यान से मिलना अद्भुत है।

वियतनामी राष्ट्रपति को बढ़ी हुई जिम्मेदारियां संभालने को दी बधाई- इसके अलावा, पीएम मोदी ने वियतनामी राष्ट्रपति टो लैम के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता की। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति लैम को बढ़ी हुई जिम्मेदारियां संभालने के लिए बधाई दी। इसके साथ ही भारत-वियतनाम के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में निरंतर सहयोग की उम्मीद जताई। पीएम मोदी ने इस महीने की शुरूआत में आए तूफान यागी से हुए नुकसान और क्षति के लिए वियतनाम के साथ अपनी सहानुभूति और एकजुटता दोहराई। राष्ट्रपति और महासचिव टो लैम ने ऑपरेशन सद्भाव के तहत भारत द्वारा आपातकालीन मानवीय सहायता और आपदा राहत की समय पर आपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, वियतनाम के राष्ट्रपति टो लैम से मुलाकात की। हमने भारत-वियतनाम मित्रता के पूरे दायरे का जायजा लिया। हम कनेक्टिविटी, व्यापार, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में गति जोड़ने के लिए तत्पर हैं।

भारत-यूक्रेन संबंधों का इतिहास- भारत ने सोवियत संघ के विघटन के बाद दिसंबर 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता को मान्यता दी। इसके बाद 17 जनवरी 1992 को दोनों देशों के बीच औपचारिक रूप से राजनयिक संबंध स्थापित हुए। भारत ने 1992 में कीव में अपना दूतावास खोला, जबकि यूक्रेन ने 1993 में नई दिल्ली में अपना दूतावास खोला। सन् 1992 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से 23 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन की पहली यात्रा थी।

अमेरिका में मोहम्मद यूनुस के खिलाफ नारे, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों का विरोध

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस के खिलाफ न्यूयॉर्क में नारेबाजी हुई है। प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ वापस जाओ जैसे नारे लगाए। मोहम्मद यूनुस 79वें संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका में हैं। खबरों के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर यूनुस के खिलाफ नारे लगाए। लोगों ने वापस जाओ और पद छोड़ो के नारे लगाए। इस दौरान लोग पोस्टर पकड़े हुए थे जिन पर शेख हसीना हमारी प्रधानमंत्री जैसे संदेश लिखे हुए थे। गौरतलब है कि शेख हसीना के देश छोड़कर जाने और संसद भंग होने के बाद यूनुस ने 8 अगस्त को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया है कि 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता गंदी राजनीति कर सत्ता में आए हैं।

छात्रा का बैग छीनकर कार में खींचा होटल ले जाकर किया गैंगरेप

लखनऊ। स्कूल से घर लौट रही पांचवीं की छात्रा को गैर समुदाय के दो युवकों ने अगवा कर लिया। आरोपी उसे एक होटल में ले गए, वहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता का फोटो और वीडियो भी बना लिया। छात्रा के पिता ने सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनीनगर निवासी एक शख्स के मुताबिक उनकी 13 वर्षीय बेटी निजी स्कूल में पढ़ती है। आरोप है कि दोपहर एक बजे बेटी स्कूल से लौट रही थी। कार से पहुंचे दानिश व अमीन ने उसका बैग छीन लिया। बेटी बैग लेने के लिए आगे बढ़ी तो दोनों ने उसे खींचकर कार में बैठा लिया। उसे कृष्णानगर स्थित होटल पैराडाइज शांति इन लेकर पहुंचे। वहां दोनों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध पर वीडियो वायरल करने और किसी को कुछ बताने पर मां-पिता की हत्या करने की धमकी दी। शाम करीब चार बजे आरोपी पीड़िता को घर के पास छोड़कर भाग निकले। बेटी की आपबीती सुनने के बाद पिता थाने पहुंचे। इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने बताया कि घटनास्थल सरोजनीनगर था। इसलिए वहां भेजा गया था।

केंद्र ने की रेप पीड़िता की सीआरपीएफ सुरक्षा हटाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने परिवार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बहुचर्चित माखी रेप कांड की पीड़िता, परिवार के सदस्यों और उसके वकीलों को सीआरपीएफ की सुरक्षा दी गई है। इस जिम्मेदारी से सीआरपीएफ को हटाने की अनुमति के लिए केंद्र सरकार ने कोर्ट का रुख किया है। अब अदालत ने केंद्र की याचिका पर मंगलवार को पीड़िता और उसके परिवार से जवाब मांगा है। भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर साल 2017 में उन्नाव इलाके में नाबालिग लड़की का अपहरण और उसका दुष्कर्म करने के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता और अन्य लोगों को एक अगस्त 2019 को सीआरपीएफ की सुरक्षा देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने घटना के संबंध में दर्ज सभी पांच मामलों को लखनऊ की अदालत से दिल्ली की एक अदालत में स्थानांतरित कर दिया था। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को पीड़िता को 25 लाख रुपये देने का भी आदेश दिया था। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों को केंद्र की अर्जी दी जाए। पीठ ने यह भी कहा कि चूंकि खतरे की कोई आशंका नहीं है, इसलिए वह मामले को बंद करना चाहेगी।

महालक्ष्मी के 30 नहीं 50 टुकड़े कर गया हत्यारा

नई दिल्ली। बेंगलुरु के खौफनाक महालक्ष्मी मर्डर कांड में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। महालक्ष्मी का शव उसके ही किराये के फ्लैट में पाया गया था, जिसके हत्यारा टुकड़े-टुकड़े कर गया और फ्रिज में रख गया था। पुलिस का कहना है कि कातिल ने महालक्ष्मी के शव के 30 नहीं बल्कि 50 टुकड़े किए थे। इसकी वजह यह है कि पुलिस का कहना है कि महालक्ष्मी की हत्या में कर्नाटक के बाहर के रहने वाले किसी शख्स का हाथ है। वहीं बेंगलुरु पुलिस ने अशरफ नाम के शख्स को भी गिरफ्तार करके पूछताछ की है, जिसे महालक्ष्मी के पति ने आरोपी बताया था। महालक्ष्मी के पति हेमंत दास का कहना था कि उसकी पत्नी कई महीने से अशरफ के साथ थी और दोनों के बीच अनबन हो गई थी। अशरफ उसे ब्लैकमेल कर रहा था और शायद इसीलिए उसने महालक्ष्मी का कत्ल कर दिया। वहीं टीवी 9 कन्नड़ की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने अशरफ से पूछताछ की है और अब तक इस कांड में उसके शामिल होने के सबूत नहीं मिले हैं। इस बीच एक अन्य शख्स पर पुलिस का संदेह गहरा रहा है। उसके बारे में कहा जा रहा है कि वह ओडिशा या बंगाल का रहने वाला है। वह अकसर महालक्ष्मी से मिलने आया करता था। फिलहाल उस शख्स की ही तलाश में जुटी है। पुलिस जिस चीज पर सबसे ज्यादा हैरान है, वह यह कि घर में खून का एक दाग तक नहीं मिला। महालक्ष्मी के शरीर के टुकड़े तो पाए गए हैं, लेकिन खून का एक कतरा भी नहीं मिल पाया। पुलिस का कहना है कि सबूत मिटाने के लिए हत्यारे ने बहुत चालाकी से खून के धब्बे ही खत्म कर दिए। शायद इसके लिए किसी केमिकल का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस ने एफएसएल की टीम को बुलाया था, जिसने कोना-कोना खंगाल लिया, लेकिन खून का एक दाग तक नहीं मिला। महज एक दाग फ्रिज में खून का पाया गया है। इससे संदेह है कि किसी खास केमिकल से हत्यारा पूरा खून साफ कर गया।

परिवार ने लगाया कस्टडी में पीटने का आरोप, विपक्ष बोला- हथकड़ी में कैसे की फायरिंग

बदलापुर रेप केस में आरोपी के एनकाउंटर की सीआईडी करेगी जांच

मुंबई। बदलापुर मामले का आरोप अक्षय शिंदे सोमवार को पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मंगलवार को एक अधिकारी ने बताया कि सीआईडी आरोपी की मौत की जांच करेगी। फॉरेंसिक साइंस विशेषज्ञों की एक टीम ने मंगलवार को पुलिस वाहन की जांच की, जिसमें आरोपी अक्षय शिंदे को एक पुलिसकर्मी ने गोली मार दी थी। उधर, मृतक के परिवार ने कहा कि अक्षय को कस्टडी में जमकर पीटा गया था। उसके बाद मामले को दबाने के लिए एनकाउंटर कर दिया गया। उसका शव भी नहीं देखने दिया। विपक्ष ने एनकाउंटर पर सवाल किया- अक्षय हथकड़ी में था, वो फायरिंग कैसे कर सकता है। शिंदे को सोमवार की शाम करीब 6ः15 बजे पुलिस की गाड़ी में ले जाया जा रहा था। तभी उसने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की बंदूक छीन ली। इसके बाद उसने एक सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) पर गोली चला दी। जिसमें एपीआई घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें शिंदे की मौत हो गई। आरोपी को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह घटना पुलिस हिरासत में मौत से संबंधित है। इसकी जांच महाराष्ट्र सीआईडी करेगी। उन्होंने आगे बताया कि सीआईडी की एक टीम मुंब्रा बाईपास पर उस स्थान का दौरा करेगी, जहां घटना हुई थी। वे उन पुलिसकर्मियों के बयानों को भी रिकॉर्ड करेंगे, जो घटना के दौरान वाहन में मौजूद थे। सीआईडी अधिकारी आरोपी अक्षय शिंदे के माता-पिता के बयान को भी रिकॉर्ड करेंगे। 17 अगस्त को पुलिस ने इस मामले में स्कूल के अटेंडेंट को गिरफ्तार किया था। शख्स पर किंडरगार्टन में पढ़ रहीं तीन और चार साल की दो बच्चियों से उत्पीड़न का आरोप था। बच्चियों के परिजनों की तरफ से दी गई शिकायत के मुताबिक, अटेंडेंट ने लड़कियों का स्कूल के टॉयलेट में ही उत्पीड़न किया था। लड़कियों ने इस घटना के बारे में अपने माता-पिता को बताया था। इसके बाद मामले में शिकायत दर्ज हुई और आरोपी के खिलाफ पॉक्सो कानून की धाराओं में केस दर्ज हुआ। उसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना पर स्कूल के प्रबंधन ने सोमवार को बयान जारी किया और कहा कि उसने प्रिंसिपल के साथ, एक क्लास टीचर और महिला अटेंडेंट को भी निलंबित कर दिया है। घटना को लेकर स्कूल की तरफ से माफी भी मांगी गई है।

चित्रकूट दर्शन का बोलकर आरोपी पड़ोसी ने लिया था झांसे में, बेटे को मरा समझकर सड़क किनारे गड्ढे में फेंका

चलती कार में महिला की हत्या पति ने कूदकर बचाई जान

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर के गुजैनी निवासी एक परिवार के सदस्यों को चित्रकूट दर्शन का झांसा देकर ले जा रहे पड़ोसी किरायेदार ने अपने साथियों के साथ मिलकर चलती कार में जान से मारने का प्रयास किया। आरोपियों ने महिला की हत्या कर शव को पुलिया के पास छिपा दिया। वहीं, पति ने गाड़ी से कूदने के बाद झाड़ियों में छिपकर जान बचाई। आरोपियों ने बेटे को मरणासन्न समझकर सड़क किनारे फेंक दिया और ढाई वर्ष की मासूम को जालौन जिले की सीमा पर छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने कार बरामद कर चालक को हिरासत में लिया है। कानपुर के थाना चौबेपुर के मदारीपुर गांव निवासी सूरज यादव परिवार सहित शहर के गुजैनी में किराये पर रहता है। वह बगल के कमरे में किराये पर रहने वाले त्रिभुवन उर्फ चाचा नाम के व्यक्ति के झांसे में आकर उसके साथ कार से चित्रकूट दर्शन के लिए तैयार हो गया। इसके बाद 21 सितंबर को किराये की कार से अपनी पत्नी अमन यादव (35), बेटा शिव उर्फ रामजी (10) और बेटी परी (ढाई साल) के अलावा कानपुर क्षेत्र आउटर निवासी त्रिभुवन व उसके साथी वीर सिंह के साथ निकले। कार संजीव कुमार चला रहा था। जनपद जालौन के जोल्हूपुर से त्रिभुवन ने एक व्यक्ति को और बैठा लिया, जिसे वह फूफा कहकर बुला रहा था। जैसे ही कार शनिवार रात करीब 12 बजे जनपद के जरिया थाना क्षेत्र में पहुंची। उसमें पीछे की सीट पर बैठे त्रिभुवन और फूफा पति-पत्नी को मारने के लिए उनका अंगोछे से गला कसने लगे। तभी सूरज चलती कार में खिड़की में पैर मार कर कूद गया और झाड़ियों में छिप गया।

चेहरा और सिर हथौड़ी से कुचल दिया आरोपियों ने महिला की बेल्ट से गला कसकर हत्या कर दी, फिर शव के सिर और चेहरे को हथौड़ी से कुचलकर पुलिया के नीचे छिपा दिया। कुछ दूर चलने के बाद उन्होंने सूरज के बेटे रामजी का गला कसा और उसे मरा समझ सड़क किनारे गड्ढे में फेंक दिया और बेटी परी को जालौन जनपद की सीमा में छोड़कर भाग निकले। जान बचाकर छिपे सूरज ने रविवार सुबह जरिया थाने पहुंच चार लोगों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। वहीं, होश में आया शिव उर्फ रामजी ने निकट के एक मंदिर में पहुंचा। वहां के पुजारी को घटना की जानकारी दी, जिस पर पुजारी ने यूपी 112 पुलिस को सूचना दी। सूचना पर जरिया पुलिस सूरज के साथ रामजी के पास पहुंची। जालौन जनपद सीमा पर छोड़ी गई मासूम को वहां की पुलिस ने अपने साथ ले लिया।

कार चालक और फूफा उर्फ कल्लू गिरफ्तार जिस पर पुजारी ने यूपी 112 पुलिस को सूचना दी। सूचना पर जरिया पुलिस सूरज के साथ रामजी के पास पहुंची। वहीं जालौन जनपद सीमा पर छोड़ी गई मासूम को वहां की पुलिस ने अपने साथ ले लिया। जांच में जुटी पुलिस ने ट्रैस कर कार बरामद कर ली है। चालक और फूफा उर्फ कल्लू को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपी के पकड़े जाने के बाद वारदात की वजह पता चल सकेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569